विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार- 8

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़ी अपमान की बात : ट्रंप - 9

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 10

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ • बरेली • कानपुर • मुरादाबाद • अयोध्या • हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 12+4 • मूल्य 6 रुपये

PRAYAG®
Milk & Milk Products

Happy Dussehra

Let's celebrate the victory of good over evil, following Lord Ram's path of righteousness and honor.
Wishing you a Happy Dussehra!

Visit Us
www.prayagmilk.com

For Distributor Enquiry, Contact us
+91 8979379854

हम दे रहे हैं खुशियों को जन्म

निःसंतानता

डॉ.लतिका अग्रवाल M.S.
व उनकी विश्व विख्यात IVF-ICSI टीम
डॉ.नरेन्द्र मलहोत्रा,
डॉ.जयदीप मलहोत्रा व लीलावती
मुम्बई के डॉ.सुदेश कामथ

IVF & FERTILITY

सार्थक टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर, बरेली

Laparoscopy/Hysteroscopy (दूरबीन विधि द्वारा operation) की सुविधा उपलब्ध

पीलीभीत की दिप्ती उम्र 45 वर्ष एवं अनिकेत उम्र 48 वर्ष की शादी को 20 साल हो चुके थे किन्तु उनके कोई सन्तान न थी दिप्ती के गर्भाशय में बहुत बड़े साईज की एक रसौली थी एवं उसकी ट्यूबढा भी बंद थी डॉ. लतिका ने उसकी रसौली का सफलता पूर्व ऑपरेशन किया। उसको आई.वी.एफ. कराने के लिए प्रेरित किया गया तथा राजी होने पर आई.वी.एफ. द्वारा गर्भाशय कराया गया। उसके गर्भ में दो भ्रूण ट्रांसफर किये गये। इसी माह ऑपरेशन द्वारा उसका प्रसव कराया गया। जुड़वा बच्चों को पाकर दम्पत्ति की खुशी का ठिकाना न रहा।

विश्वस्तरीय आधुनिक तकनीक के साथ
IVF की फीस मात्र
₹50,000/- में
(दवाईयों का खर्च अतिरिक्त)
IVF-ICSI
पंजीकरण हेतु कॉल करें :
9027092162, 8755669369

परामर्श हेतु कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है
- कम शुक्राणु
- धीमी गतिशीलता
- निल शुक्राणु
- खराब गुणवत्ता
- बंद ट्यूब
- अनियमित पीरियड
- अण्डों में खराबी
- गर्भाशय में रसौली

उपलब्ध सुविधायें
- IUI • IVF • ICSI
- लेपरोस्कोपी
- डोनर सर्विसेज
- ब्लास्टोसिस्ट कल्चर
- हिस्टरोस्कोपी

अतुल लतिका हॉस्पिटल रामपुर बाग, (प्रभा सिनेमा के सामने वाली रोड पर) बरेली
मो. 8755669369, 7505534150, 9927020051, 9027269220, 9837007228
E-mail: drlatikaagarwal@gmail.com | Website: www.latika-ivf.com

निःसंतान दम्पत्तियों के लिए आशा की नई किरण IVF

आईवीएफ (IVF) या इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अंडाणु और शुक्राणु को प्रयोगशाला में मिलाया जाता है और फिर भ्रूण को गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। जानिए आईवीएफ से जुड़े कुछ सामान्य सवालों के जवाब :-

डॉ. रुचि श्रीवास्तव ने महिलाओं सम्बन्धी जटिल मातृत्व रोग के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि आईवीएफ ही विकल्प रास्ता है।

सभी बच्चेदानी व अंडेदानी की गांठ/ रसौली का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा उपलब्ध।

चुपचाप ना सहें, निःसंतान होने की पीड़ा....

आईवीएफ एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें महिला के अंडाशय से अंडे निकालकर उन्हें प्रयोगशाला में शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है। इसके बाद निषेचित अंडे को महिला के गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है, जहां वह विकसित होकर भ्रूण बनता है।

आईवीएफ कब करवाना चाहिए?
आईवीएफ उन जोड़ों के लिए एक विकल्प हो सकता है जिन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई हो रही है। यह उन महिलाओं के लिए भी मददगार हो सकता है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनके पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या कम है। आईवीएफ करवाने का सबसे अच्छा समय तब होता है जब महिला के अंडे स्वस्थ हों और पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या पर्याप्त हो। हालांकि, आईवीएफ किसी भी उम्र में करवाया जा सकता है।

आईवीएफ क्यों करवाना चाहिए?
आईवीएफ उन जोड़ों को माता-पिता बनने का अवसर प्रदान करता है जो स्वाभाविक रूप से गर्भधारण करने में सक्षम नहीं हैं। यह उन महिलाओं के लिए भी एक विकल्प हो सकता है जो अकेले माता-पिता बनना चाहती हैं।

आईवीएफ किससे करवाना चाहिए?
आईवीएफ एक जटिल प्रक्रिया है, इसलिए इसे हमेशा एक अनुभवी प्रजनन विशेषज्ञ द्वारा ही करवाना चाहिए। प्रजनन विशेषज्ञ आपकी व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर आपको आईवीएफ के बारे में सबसे अच्छी सलाह दे पाएगा।

आईवीएफ के फेल होने के क्या कारण हैं?
आईवीएफ के फेल होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं :-
- अंडों की गुणवत्ता
- शुक्राणुओं की गुणवत्ता
- भ्रूण की गुणवत्ता
- गर्भाशय की स्थिति
- महिला की उम्र
- जीवनशैली कारक, जैसे धूम्रपान और शराब का सेवन।

यदि आप आईवीएफ पर विचार कर रही हैं, तो अपने प्रजनन विशेषज्ञ से बात करना महत्वपूर्ण है। वे आपको आईवीएफ के जोखिमों और लाभों के बारे में बता पाएंगे और यह तय करने में आपकी मदद कर पाएंगे कि यह आपके लिए सही विकल्प है या नहीं।

IVF और IUI मे क्या अंतर है?
आईवीएफ और आईयूआई दोनों ही बांझपन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें हैं, लेकिन दोनों में कुछ अहम फर्क हैं। आईयूआई (Intrauterine Insemination)
- आईयूआई में, शुक्राणु को सीधे गर्भाशय में डाला जाता है।
- यह एक सरल और कम खर्चीली प्रक्रिया है।
- आईयूआई उन महिलाओं के लिए ज्यादा कारगर है जिनके पति के शुक्राणुओं की गुणवत्ता अच्छी नहीं है या जिनमें सर्वाइकल म्यूकस की समस्या है।
- आईयूआई की सफलता दर आईवीएफ की तुलना में कम है।

आईवीएफ (In Vitro Fertilization)
- आईवीएफ में, अंडे और शुक्राणु को शरीर के बाहर एक लैब में मिलाया जाता है।
- निषेचन के बाद, भ्रूण को वापस गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है।
- आईवीएफ एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है।
- आईवीएफ उन महिलाओं के लिए ज्यादा कारगर है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनमें गंभीर बांझपन की समस्या है।
- आईवीएफ की सफलता दर आईयूआई की तुलना में ज्यादा है।

नन्हीं खुशियों की दस्तक, तकनीक से संभव

डा. रुचि श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
स्त्री एवं प्रसूति रोग, IVF विशेषज्ञ

Artificial Insemination, Egg/Sperm Donor Facility Available

रुचि आईवीएफ, निकट टेलीफोन एक्सचेंज, चौपला बरेली मो. 9927077872

Advt.

न्यूज ब्रीफ

विजय धर्म की ही होती है : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विजय दशमी पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने बुधवार को अपने बधाई संदेश में कहा कि विजय दशमी पावन पर्व हमें स्मरण कराता है कि असत्य कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

सपा प्रमुख ने दी पर्व की बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व की देशवासियों को बधाई दी, और कहा है कि विजयदशमी का दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। साथ ही 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

आरएसएस पर जातीय भेदभाव का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) उप्र. के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरएसएस पर मनुवादी व्यवस्था और जातीय भेदभाव तथा छुआछूत की व्यवस्था में विश्वास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस में 'राष्ट्रीय' शब्द लगा होने के बावजूद, यह संगठन देश की 85 प्रतिशत आबादी (दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों) का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं करता है।

विजयादशमी से मिलती है सदाचार की प्रेरणा : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विजयदशमी (दशहरा) पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार के मार्ग पर चलकर ही वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और प्रगति की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व प्रदेश में सामाजिक सद्भाव को और सुदृढ़ करेगा।

कानपुर आईआईटी में बीटेक के छात्र ने फांसी लगाई, मौत

हरियाणा का रहने वाला था इले. इंजीनियरिंग का छात्र

कल्याणपुर, संवाददाता

अमृत विचार। आईआईटी में इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग के छात्र ने हॉस्टल के रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को कमरे से बदबू आने पर हॉस्टल प्रबंधन ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस दरवाजा तोड़कर फंदे पर लटका छात्र का शव नीचे उतारा। पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम की जांच-पड़ताल की, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूलरूप से हरियाणा के महेंद्रगढ़ बुचौली रोड ककरकई गांव निवासी 22 वर्षीय धीरज सैनी इलेक्ट्रिकल से बीटेक फाइनल का छात्र था। धीरज हॉस्टल नंबर एक में रहता था। बुधवार दोपहर बाद छात्र के कमरे से बदबू आने की सूचना वहां से निकलने वालों ने हॉस्टल प्रबंधन को दी। इसके बाद प्रबंधन के साथ छात्र हॉस्टल पहुंचे। कल्याणपुर पुलिस को सूचना दी गई। हॉस्टल प्रबंधन की मौजूदगी में पुलिस ने धीरज के कमरे का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुसी तो छात्र का शव फंदे से लटका पाया। धीरज का शव पंखे के कुंडे से रस्सी से लटक रहा था। घटनास्थल का पुलिस ने जांच की। इसके बाद फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम भेजा गया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र के साथियों का कहना है कि दो दिन से उसे नहीं देखा। इससे स्पष्ट है कि वह कमरे में ही रहा। संभावना है कि उसने दो दिन पहले आत्महत्या की होगी। पुलिस के अनुसार छात्र के परिजनों को सूचना दी गई है। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है।

संस्थान में हुईं आत्महत्याएं

- 10 जनवरी 2024 को एमटेक कर रहे छात्र विकास कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।
- 20 दिसंबर 2023 को जैविक विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग की शोध स्टॉफ पल्लवी ने ने आत्महत्या की थी। • 18 जनवरी 2024 को झारखंड निवासी प्रियंका जायसवाल ने आत्महत्या की थी।
- फरवरी 2025 में संस्थान के पीएचडी छात्र अंकित यादव ने आत्महत्या की थी।
- 7 सितंबर को वाराणसी के पीएचडी छात्र प्रशांत सिंह ने आत्महत्या की थी।
- 12 मई 2021 को असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुरजीत दास ने आत्महत्या की थी।

मुठभेड़ में फरार बरेली के दो इनामी लुटेरे सीतापुर में किए गए गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : महोली कोतवाली और जिले की क्राइम ब्रांच की टीम ने 48 घंटे के भीतर हाईवे पर हुई लूट की वारदात का अनावरण करते हुए 25-25 हजार रुपये के तीन इनामी बदमाशों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से लूटी गई वैगन आर कार, मोबाइल फोन, तमंचे, कारतूस और नकदी बरामद हुई।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के मुताबिक, मंगलवार की रात चड़रा गांव के पास पुलिस से मुठभेड़ में बरेली निवासी जफरुद्दीन खान के पैर में गोली लगी थी। उसके कब्जे से कार, मोबाइल और अवैध शस्त्र मिले। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर दो बदमाश फरार हो गए थे। एसओजी टीम को इनके पीछे लगाया गया था।

बुधवार को मुखबिर से टीम को इनपुट मिला था कि दोनों नेपाल भागने की जुगत में हैं। महोली इलाके के पाताबोझ मोड़ पर पुलिस टीम ने दोनों की घेराबंदी की, अपने को घिरता देख शातिरों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बरेली के अरबाज खान और आसिफ खान को पाताबोझ मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया। अरबाज के कब्जे से मोबाइल, तमंचा, कारतूस, नकदी और एक बांका, जबकि आसिफ से तमंचा व नकदी बरामद हुई। एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया कि तीनों अभियुक्त पेशेवर अपराधी हैं, जिन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

प्रत्येक भारतीय राष्ट्रहित की सोचे : दत्तात्रेय होसबोले

लखनऊ में राष्ट्रधर्म पत्रिका के नए विशेषांक का विमोचन करते सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले व अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि राष्ट्रधर्म एक शाश्वत धर्म है। भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह सोचे- राष्ट्र के लिये जीवन में किस क्षेत्र में हम क्या कर सकते हैं।

राष्ट्रधर्म की शुरुआत संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में वैचारिक परिवर्तन लाने के लिए की थी, न कि आर्थिक लाभ के लिए। सरकार्यवाह बुधवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन सभागार में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रधर्म पत्रिका द्वारा आयोजित विशेषांक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष" के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1948-49 के कठिन दौर से लेकर अब तक इस पत्रिका ने हिंदुत्व के विचार को समाज में पहुंचाने का कार्य किया। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पत्रिका का प्रकाशन नहीं रुका क्योंकि इसके पीछे संकल्प था, समाज को विचार और दृष्टि देना।

देश के मुकाबले उत्तर प्रदेश में अपराध एक चौथाई कम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही, जो 448.3 के मुकाबले 335.3 रही। एनसीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद उप्र. अब शांति व सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, इसका कारण 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति को समझा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं।

क्राइम रेट में उल्लेखनीय गिरावट

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

महिला अपराध : सजा दिलाने में प्रथम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नंबर वन है।

- **विभिन्न अपराध श्रेणियों में भी दर्ज की गई उल्लेखनीय कमी**

आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन राज्य सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार- 8

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़ी अपमान की बात : ट्रंप - 9

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 10

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई : मोदी

आरएसएस की स्थापना के शताब्दी अवसर पर बोले प्रधानमंत्री, संगठन में भेदभाव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा-राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सराहनीय भूमिका, लोकतंत्र में अटूट विश्वास
- सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने देश के कोने-कोने तक पहुंचा संघ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की शताब्दी के अवसर पर बुधवार को आरएसएस की प्रशंसा की और कहा कि प्रतिबंधों और साजिशों के बावजूद संगठन ने कभी कटुता नहीं दिखाई क्योंकि यह राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम करता रहा। संघ के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ जाति या पंथ के भेदभाव को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के कोने-कोने तक पहुंचा है।

मोदी ने कहा कि संघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई बार जेल गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि आरएसएस ने अपने खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने, प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों के बावजूद कभी कटुता नहीं दिखाई, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे, दोनों को स्वीकार करते हैं। उसका यही मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है। मोदी ने कहा कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। फिर भी जब वह बाहर आए तो उन्होंने शांत मन से कहा कि कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने प्रत्येक स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी।

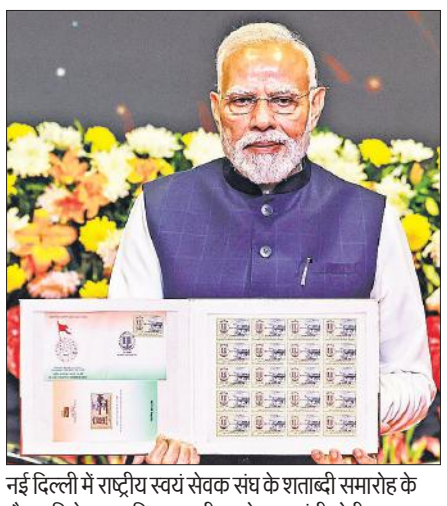

नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह के दौरान विशेष डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री मोदी।

संघ के 100 साल पर विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री ने आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय चिन्ह है, तो दूसरी तरफ सिंह पर विराजमान भारत माता की छवि और स्वयंसेवक भक्ति और समर्पण के साथ उनके सामने नतमस्तक होते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि अंकित की गई है, जो अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।

जनसांख्यिकीय बदलाव देश के लिए घुसपैठ से भी बड़ा खतरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगाह किया कि जनसांख्यिकीय बदलाव वर्तमान में देश के सामाजिक सद्भाव के लिए घुसपैठ से भी बड़ा खतरा है। आरएसएस के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा हमेशा विविधता में एकता में निहित रही है और आगाह किया कि यदि यह सिद्धांत टूट गया तो देश की ताकत कम हो जाएगी। मोदी ने अपने 15 अगस्त के भाषण और बहनों-बेटियों को निशाना बनाकर युवाओं की आजीविका छीनने वाले घुसपैठियों से भारतीय नागरिकों की रक्षा के अपने जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा का उल्लेख किया।

कन्या पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानवमी पर गोरखपुर में कन्या पूजन किया। देवी स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, अपने हाथों से भोजन परोसा और दक्षिणा-उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 % बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

मंत्रिमंडल के फैसले

- 1 करोड़ 18 लाख कर्मियों-पेंशनर्स को मिला दिवाली का तोहफा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिवाली का तोहफा देते हुए बुधवार को लगभग 49.19 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि की।

डीए और डीआर अभी तक मूल वेतन/पेंशन का 55 प्रतिशत था और इसमें तीन प्रतिशत की वृद्धि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

57 नए केवी को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने के लिए बुधवार को मंजूरी दी, जिससे 86 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। 20 केंद्रीय विद्यालयों को ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है, जहां केंद्रीय कर्मचारियों की संख्या के बावजूद कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है।

सरकार ने गेहूं का एमएसपी 160 रुपये बढ़ाया

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फसल विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6.59 प्रतिशत बढ़ाकर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इस तरह गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। कुसुम की एमएसपी में 600 जबकि मसूर में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। रेपसीड एवं सरसों के लिए यह वृद्धि 250 है। चने में 225, जौ में 170 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि की गई है।

मुठभेड़ में दो गैंगस्टर के पैर में लगी गोली, लूटी गन बरामद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली बवाल

- दंगा कराने की कोशिश में लगे डॉ. नफीस और बेटे फरहान समेत 9 को भेजा गया जेल

अमृत विचार : शहर में हुए बवाल में अपराधी और गैंगस्टर भी शामिल हुए थे। पथराव और फायरिंग के दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों की सीबीगंज पुलिस के साथ बुधवार सुबह मुठभेड़ हो गई।

पुलिस ने दोनों के घुटने में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी हुई एंटी रायट गन भी बरामद की है। उधर, दंगा कराने की कोशिश में लगे तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस खां और उनके बेटे समेत 8 और आरोपियों को जेल भेजा है।

पुलिस की गिरफ्त में डॉ. नफीस और फरहान।

अभी तक कुल 82 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की थी। सिपाही से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया गया है। दोनों से लूटी गई गन बरामद की गई है। बवाल कराने में शामिल रहे डॉ. नफीस, उसके बेटे समेत 8 अन्य आरोपियों को बुधवार को जेल भेजा गया है। -अनुराग आर्य, एसएसपी, बरेली।

बवाल में अपराधियों और गैंगस्टरों ने भी हाथ आजमाए थे। इसका खुलासा बुधवार की सुबह सीबीगंज पुलिस के साथ दो गैंगस्टरों से मुठभेड़ के बाद हुआ। सीबीगंज पुलिस बंडिया नहर हाईवे पुलिया के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच दो बदमाश बाइक से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली जा घुसी। फिर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान इस्लामनगर पंखा खेड़ा थाना मदनापुर शाहजहांपुर निवासी इदरीश और इकबाल के रूप में हुई। इदरीश पर गंभीर आरोपों में 20 और इकबाल पर 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दोनों से दो तमंचे, लूटी गई एंटी रायट गन, बाइक और दो फोन बरामद हुए हैं। उधर, कोतवाली पुलिस ने कंघीटोला किला निवासी आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरहान खां को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे लैपटॉप बरामद हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पर्सनल लॉ बोर्ड का भारत बंद वापस

कानपुर। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में 3 अक्टूबर जुमा को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक मुसलमानों से अपने कारोबार बंद रखने की गुजारिश की थी। अब बरेली में खराब हुए माहौल और दशहरा समेत अन्य त्योहारों को देखते हुए बोर्ड ने अपने भारत बंद के आह्वान को वापस ले लिया है। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून 2025 को लागू करने एवं उम्मीद पोर्टल चालू करने के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मोर्चा खोल रखा है।

दो किशोरों की हत्या के बाद 3 परिजनों समेत लगाई आग

संवाददाता, बहराइच

सनसनी

- बहराइच में 6 लोगों की मौत से मचा हड़कंप, चार मवेशी भी जिंदा जले

अमृत विचार : जिले के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक घर के अंदर छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक किसान ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलाया। घर पहुंचकर किसान ने इन दोनों किशोरों की धारदार हथियार से हत्या कर दी और स्वयं पूरे परिवार और मवेशियों को बंद करके घर में आग लगा दी। जिससे किसान, उसकी पत्नी और दो बेटियों की जलकर मौत हो गई। चार मवेशी भी जिंदा जले हैं। अभी कारणों का पता नहीं चल सका है।

रामगांव थाना क्षेत्र के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में विजय कुमार मौर्य खेती और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव के सूरज यादव (14), शनी वर्मा (13) और किशन को घर बुलवाया। काम करने के बाद विजय ने किशन को किसी अन्य काम से बाहर भेज दिया। उसके कुछ देर बाद विजय के घर से आग की लपटें उठने लगीं, ग्रामीण पहुंचे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया। सूचना पर दमकल के साथ पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो एक कमरे में सूरज व शनि की लाश पड़ी थी तथा दूसरे कमरे में विजय (40), पत्नी धीरज कुमारी (35), बड़ी बेटी प्रियांशी (8) और छोटी रियांशी (6) के झुलसे शव पड़े थे।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा

मुंबई, एजेंसी

- आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया

भारतीय रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकार रखा। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के साथ-साथ पूर्व में नीतिगत दर में की गई कमी और हाल ही में कर दरों में कटौती के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा के साथ आरबीआई ने यह निर्णय किया। हालांकि, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आने वाले महीनों में अमेरिकी शुल्क के किसी भी प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए रेपो दर में कमी की संभावना का संकेत दिया। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इसके साथ ही मौद्रिक नीति रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला लिया। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। यह लगातार दूसरी बार है, जब रेपो दर को यथावत रखा गया है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

मेडिकल स्टोर में लगी आग से लाखों का नुकसान

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के दिनरा-मिर्जापुर चौराहे पर मंगलवार देर रात एक भयंकर आग ने बड़ा हादसा कर दिया। यहां कोतवाल वर्मा का शिवम मेडिकल स्टोर आग की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि दुकान के भीतर रखी स्कूटी चार्जिंग पर लगी हुई थी, उसी से शॉर्ट सर्किट होकर आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और अंदर रखी लाखों रुपये की दवाइयां, फर्नीचर व नई खरीदी स्कूटी जलकर राख हो गई। मालिक शिवम वर्मा ने अनुमानित नुकसान करीब 15 लाख रुपये बताया है।

बुधवार की सुबह जब ग्रामीण मार्निंग वॉक पर निकले तो उन्होंने दुकान से धुआं और लपटें उठते देखीं। ग्रामीणों ने सामने लगे कांवड़िया सहायता पुलिस बूथ पर मौजूद पुलिसकर्मियों को जानकारी दी, लेकिन पुलिसकर्मी वहां से चुपचाप चले गए और आग बुझाने में कोई मदद नहीं की। ग्रामीणों ने स्वयं आग बुझाने का प्रयास किया और साथ ही दुकान मालिक व दमकल विभाग को सूचना दी। मेडिकल संचालक शिवम वर्मा घटना से काफी सदमे में हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस बूथ लंबे समय से दुकान के ठीक सामने बना है और कई बार शिकायत करने पर भी इसे हटाया नहीं गया।, शाही थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार विश्नोई ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनकी जांच में आग तड़के करीब साढ़े चार बजे लगी होगी। इसके बाद बूथ खाली पड़ा था। मेडिकल संचालक ने बूथ में तोड़फोड़ की है, जिसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। आग लगने के असली कारणों की जांच जारी है।

हवन और कन्या पूजन की धूम

नवमी पर घरों व मंदिरों में हुए कीर्तन, कन्याओं के पूजे पैर, दिए उपहार

संवाददाता, आंवला।

अमृतविचारः नवरात्रि पर देव स्थानों एवं घरों पर हवन पूजन का आयोजन किया गया। देवी के भक्तों ने कन्याओं को भोज कराकर देवी मां का आशीर्वाद लिया।

मोहल्ला बजरिया दुर्गा मंदिर में बीती 25 सितंबर को अज्ञात द्वारा मूर्ति खंडित कर दी गयी थी। प्रशासन ने जन सहयोग से रात्रि में ही नई मूर्ति स्थापित कराकर प्राण प्रतिष्ठा कराई थी। बुधवार को कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंदिर पर पहुंचकर हवन में आहुतियां दीं। इस दौरान पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना, दिनेश मौर्य, विवेक शर्मा आदि लोग मौजूद रहे। गंज आंवला स्थित गायत्री शक्तिपीठ स्थल पर नौ दिवसीय नवरात्रि कार्यक्रम गायत्री दुर्गा पूजा अर्चना यज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान डा.विनीत विधार्थी ,इतिहासकार गिरिराज नन्दन गुप्ता,शिक्षा विद रामजीमल ने कहा गायत्री साधना से सब संभव है।

नवमी पर भक्तों ने कन्याओं को लगाया भोग, बहेड़ी : शारदीय नवरात्र के नौवें दिन बुद्धवार को मां के भक्तों ने श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना की और कन्याओं का विशेष पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। साधकों ने पाप की मुक्ति के लिए मां की साधना की। मंदिरों में नवमी में भक्तों की भीड़ उमड़ी। जहां भक्तों ने पूजा अर्चना कर फल, माता की चुनरी, नारियल और मिठाई का प्रसाद चढ़ाया।

मन्दिरों में देवी पूजन के साथ नवमी पर कन्याएं जिमाई गई, नवाबगंज : नवदुर्गा में देवी मन्दिरों पर देवी भक्तों की विशेष भीड दिखाई दी । सारे दिन देवी मन्दिरों में भजन कीर्तन का दौर चलता रहा । पूरे नौ दिन तक फलाहारी व्रत रखने के बाद लोगों ने हवन पूजन कर कन्या जिमाकर उपहार देकर अपने व्रत खोले ।

दुर्गानवमी पर मंदिर में गूंजे जयकारे , अलीगंज : क्षेत्र के हरीनगर स्थित प्राचीन नवदुर्गा मंदिर में बुधवार को महा दुर्गानवमी श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई। प्राचीन मंदिर में मां के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता के नौ रूपों का पूजन कर हवन सम्पन्न कराया। हवन के पश्चात परंपरा अनुसार कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान मोहित अग्रवाल, हिमांशु पाराशरी, भूरे मौर्य, नेमचंद शर्मा, प्रिंस अग्रवाल, दिवाकर शर्मा, विशाल पांडेय आदि रहे।

मां के गूंजे भजन , रिठौराः दुर्गा नवमी में मां दुर्गा का व्रत रखने वाले भक्तों ने हवन-यज्ञ किए। घरों में कन्या -बरूआ जिमाएं। खाईखेड़ा में माता रानी के भक्तों ने देवी जागरण का आयोजन किया। मां के भजनों पर भक्तजन जमकर झूमे,भक्तों को प्रसाद खिलाया। इस दौरान रामभरोसे लाल, भगवानदास यादव,विजय मौर्य, चंद्र पाल,विजय पाल,हरीश, हरपाल आदि का विशेष सहयोग रहा।इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा।

गायत्री शक्ति पीठ में हवन-पूजन करते भक्त। ● अमृत विचार

मंदिर में भव्य हवन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे शामिल

सिरौली, अमृत विचार : कस्बे के प्रसिद्ध ग्राम देवता मंदिर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में बुधवार को भव्य हवन अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडित पंकज आचार्य जी द्वारा दुर्गा सप्तशती का पूर्ण हवन विधिविधान से कराया गया। अनुष्ठान का मुख्य आयोजन नितिन पांडे के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ राजकुमार पांडे, अमित कोरी, सत्य प्रकाश पांडे, सुनील कोरी, रामनिवास कोरी सहित अन्य कार्यकर्ता एवं भक्तगण मौजूद रहे।

108 कन्याओं को कराया भोज

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : दुर्गा नवमी पर नगर समेत क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने अपने अपने घरों पर कन्याओं को छप्पन भोग खिलाए तथा खीर पूरी का कन्याओं को भोज कराया । इस मौके परपूनम मिश्रा, अंजली सिंह,, पूनम देवी, कुसुम मिश्रा, प्रीति मिश्रा, ने कन्या सहभोज का आयोजन किया जिसमें 108 कन्याओं को भोज कराया गया । नगर में कई जगहों पर कन्या भोज के आयोजन किये गये। दुर्गा मंदिरों पर भजन कीर्तन किया गया राधा कृष्ण मंदिर पर उमेश शर्मा ने चालीसा का पाठ किया।

भक्तों ने हवन-पूजन कर कन्याओं को लगाया भोग

शीशगढ़, अमृत विचार : मां के भक्तों ने पूजा अर्चना व हवन कराकर कन्याओ का विशेष पूजन कर सुख समृद्धि की कामना की। मंदिरों में नवमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी जहाँ भक्तों ने पूजा अर्चना कर फल, चुनरी, नारियल चढ़ाई। उपवास रखने वाले भक्तों ने अपने अपने घरों में हवन कराकर कन्या पूजन कर माँ को भोग लगाकर उपवास खोला।

सद्भाव के साथ दशहरा मनाएं

शीशगढ़, अमृत विचार। कस्बे में चल रहे रामलीला मेले का एसडीएम (मेला अध्यक्ष) मीरगंज आलोक कुमार ने देर रात औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने मेले में कमेटी के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर दशहरे को धार्मिक सद्भाव के साथ मनाने का आह्वान किया। एसडीएम आलोक कुमार ने मेले में साफ सफाई, व सुरक्षा व्यवस्था का निर्देश दिया।

बाप-बड़े भाई ने छोटे भाई को घोंपा चाकू

नवाबगंज / क्योलड़िया। थाना क्षेत्र के गाँव बैभई में बुधवार शाम जमीनी बंटवारे की पुरानी रंजिश खूनी संघर्ष में बदल गई। आरोप है कि गौरी शंकर को उसके ही बाप व बड़े भाई ने घर से कुछ दूरी पर बंकर में ले जाकर बांध दिया और बेरहमी से पीटने के बाद पेट में चाकू घोंप दिया। खून से लथपथ गौरी शंकर को मौके पर पहुंचे उसके साले राजवीर सिंह ने छुड़ाया और आनन-फानन में थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत उसे नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहाँ हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बरेली रेफर कर दिया। पीड़ित की हालत नाजुक बताई जा रही है।

विधायक ने किया शिलान्यास

क्योलड़िया, : ब्लॉक भदपुरा कि ग्राम पंचायत क्योलडिया के मजरा हरैया के देवी स्थान में ग्राम निधि से देवस्थान के चारों तरफ ग्रिल टाइल लगाकर सुंदरीकरण व विकास कार्य कराया। विधायक डा. एमपी आर्य ने नारियल फोड़कर इसका शिलान्यास किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान पुष्पा गंगवार, रविंद्र कुमार गंगवार ,सुरभिक गंगवार, प्रेम पाल कश्यप, छदम्मी लाल कश्यप, विक्रम सिंह, कमलेश कुमार, रामदास राठौर आदि रहे।

नहीं हुई शिनाख्त

कैंट : अभयपुर कैम्प स्थित रेलवे ट्रैक से 10 फिट दूर झाडियों में मिले अज्ञात युवक के शव की शिनाख्त दूसरे दिन भी नहीं हो सकी है। कैंट पुलिस को मंगलवार दोपहर बाद रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। लेकिन शव की शिनाख्त न होने की वजह से उसे मोर्चरी में रखवाया गया है।

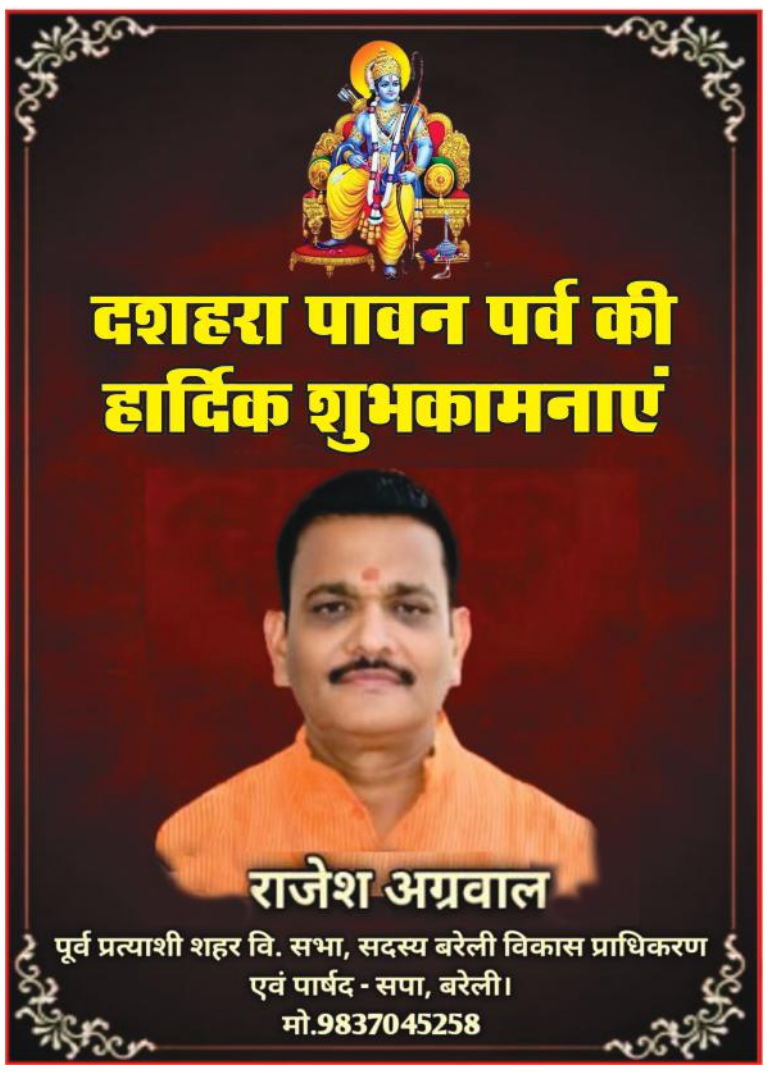

तूफान ने मुन्ना व जोगेंद्र ने सलीम को दी पटखनी

दंगल में तीन कुश्तियां रहीं निर्णायक, नौ बराबरी पर छूटीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बाबा वनखंडी रामलीला समिति की ओर से आयोजित दंगल में बुधवार को 12 कुश्तियां लड़ी गईं, जिसमें नौ बराबर और तीन कुश्तियां निर्णायक रहीं।

निर्णायक कुश्ती में कासगंज के जोगेंद्र ने सलीम शेख को, बरेली के मिंटू सिंह ने जाट सेंटर के सिकंदर यादव को, बजरंग अखाड़ा के तूफान सिंह ने गुलाब अखाड़ा के मुन्ना को हराया।

कई पहलवानों के तय समय तक अपने प्रतिद्वंदी को पटखनी न देने कारण रैफरी ने बराबरी का निर्णय दिया। बजरंग अखाड़ा के रिंकू सिंह और गुलाब अखाड़ा के उस्मान, बरेली के तन्नू और मंजीत, कासगंज के गौतम की बरेली के गुलाम नबी, बरेली के नूर मोहम्मद और गुलाम गौस, गुलाब अखाड़ा के सरजन अली और बजरंग अखाड़ा के रिंकू सिंह, बरेली के अलीम खान और सहारपुर के शहीद, श्रीराम अखाड़ा के बासु और बरेली के शाजरूल, हाफिजगंज के फरहान और बरेली के अरसलान, केसरपुर के अनस और बरेली के अरमान की कुश्ती बराबर पर छूटी। इस मौके पर मेला संयोजक गिरधारी लाल साहू, संरक्षक धर्मेंद्र राठौर, मेला अध्यक्ष संजीव शर्मा, संरक्षक सुनील पंडित, दंगल अध्यक्ष विक्रम राठौर, अबीर राठौर, आदित्य राठौर, तेजपाल राठौर, नाजिम पहलवान, अमजद पहलवान लोग मौजूद रहे।

जोगी नवादा के तुलसी मैदान पर आयोजित दंगल में भिड़ते पहलवान। ● अमृत विचार

शत्रु संपत्तियों की नीलामी शुरू, जल्द बरेली में भी होगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने शुरू कराई शत्रु संपत्तियों की नीलामी
- पीलीभीत सहित 6 जनपदों में 65 संपत्तियों की नीलामी को जारी हुई सूचना

अमृत विचार : शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने अचल शत्रु संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में भी कृषि से संबंधित शत्रु संपत्तियों का सत्यापन होने के साथ उनकी डिटेल पोर्टल पर अपलोड कर दी है। अभी पीलीभीत सहित छह जनपदों की 65 संपत्तियों की नीलामी शुरू की गयी है। जल्द ही बरेली की संपत्तियों की नीलामी शुरू होगी। तहसील सदर क्षेत्र में सर्वाधिक संपत्तियां हैं, जिन्हें नीलामी में लेकर लोग अपना बेहतर कारोबार भी कर सकते हैं।

गृह मंत्रालय के अधीन शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने पीलीभीत की छह अचल शत्रु संपत्तियां, अयोध्या की छह के साथ उन्नाव की सर्वाधिक संपत्तियों की नीलामी शुरू करायी है। दरअसल, जनपद में शत्रु संपत्तियों का सत्यापन कराया जा रहा है। राजस्व विभाग, निबंधन, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम कार्यालय की टीम संयुक्त रूप से कार्य कर रही है। कुछ दिन पूर्व एडीएम सिटी सौरभ दुबे की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि 212 शत्रु संपत्तियों में से 123 संपत्तियों के वेस्टिंग आर्डर प्राप्त हुए हैं। इन सभी संपत्तियों का अमलदरामद अभिरक्षक शत्रु संपत्ति भारत सरकार मुंबई के नाम करा दिया गया है।

123 संपत्तियों के सापेक्ष 91 की डीवीसी करा ली है। 32 संपत्तियों की डीवीसी बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है, जबकि 89 संपत्तियों के अमलदरामद के लिए शत्रु संपत्ति कार्यालय लखनऊ से वेस्टिंग आर्डर प्राप्त करने के लिए पत्र भेजा गया है। सभी संपत्तियों की डीवीसी हो जाएगी, उसके बाद रिपोर्ट शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय भेजी जाएगी।

एक मशीन पर भर्ती दो-दो बच्चे, एसी भी खराब

बरेली,अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल का एसएनसीयू वार्ड फुल हो गया है। यहां गंभीर नवजात बच्चों को भर्ती करने के लिए मशीनें कम पड़ गई हैं। एक मशीन पर दो बच्चों को भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। एसी में भी बार-बार खराबी आ रही है।

स्टाफ के अनुसार इन दिनों अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों में कम वजन की समस्या सामने आ रही है। इन बच्चों के इलाज के लिए 7 रेडिएंट वार्मर और 7 फोटो थैरेपी मशीनें हैं लेकिन बुधवार तक यहां 32 बच्चे भर्ती रहे जिसके चलते एक मशीन पर दो-दो बच्चे भर्ती किए गए हैं। इन मशीनों पर प्री-मेच्योर बेबी, कम वजन वाले कमजोर बच्चे, पीलिया, सांस लेने में समस्या समेत वंशानुगत बीमारियां से ग्रसित बच्चों को भर्ती किया जाता है।

> एसएनसीयू में भर्ती होने वाले अधिकांश बच्चे देहात के स्वास्थ्य केंद्र व गैर जिलों से रेफर किए जा रहे हैं। वार्मर कम पड़ने पर परिजन की संस्तुति के बाद ही दो नवजात भर्ती करते हैं। हालांकि बच्चों को इलाज प्राथमिकता है। मशीनें बढ़ाने के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। **-डॉ. त्रिभुवन प्रसाद,** सीएमएस, जिला महिला अस्पताल

पुराने बस अड्डे पर चला विशेष सफाई अभियान

बरेली, अमृत विचार : परिवहन विभाग ने बुधवार को पुराने रोडवेज बस अड्डे पर विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान परिसर पर कर्मचारियों ने सुबह और शाम दो शिफ्टों में सफाई की।

वहीं, बरेली डिपो के एआरएम संजीव कुमार ने सुबह 10 बजे बस अड्डे का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कुछ जगह पर कूड़ा एकत्र मिला। इस पर उन्होंने सफाई कर्मी को कूड़ा कूड़ादान में डालने को कहा। परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए।

डिपो से आने वाले टैंकरों से करता था पेट्रोल-डीजल की खरीद फरोख्त

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पूर्ति निरीक्षक ने खोखे पर मारा छापा, फर्द बनाते समय आरोपी हुआ फरार

अमृत विचार : पूर्ति निरीक्षक की टीम ने एक खोखे पर छापामारी कर आंवला डिपो से आने वाले टैंकरों से डीजल और पेट्रोल की खरीद फरोख्त करने वाले को दबोच लिया, मगर फर्द मनाते समय आरोपी भाग गया। टीम ने सुभाषनगर थाने में आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

26 सितंबर को जिला पूर्ति अधिकारी को सूचना मिली कि चौपुला से जंक्शन जाने वाले रोड पर टैंकर से पेट्रोलियम पदार्थ निकालकर अवैध रूप से बेचे जा रहे हैं। निर्देश मिलने पर पूर्ति निरीक्षक प्रदीप यादव ने टीम के साथ चौपुला से जंक्शन पर जाने वाले रोड पर नरीमन ऑयल एवं जय अंबे ऑयल कंपनी के पास एक खोखे पर छापा मारा। छापे के दौरान खोखे पर कैंट क्षेत्र निवासी शहादत खां मिला। वहां एक कैन में 80 लीटर डीजल और दूसरी में 20 लीटर पेट्रोल बरामद हुआ। खोखे पर खाली प्लास्टिक की कैन, कीप और पाइप भी मिले। ठिरिया निजावत खां निवासी शहादत ने टीम को बताया कि वह आंवला डिपो से आने वाले टैंकरों से तेल की खरीद-फरोख्त करता है। पूर्ति निरीक्षक की ओर से पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, बरामद पेट्रोलियम पदार्थों के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। आगे नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

चीफ ने देखी बिजलीघर की भूमि

भोजीपुरा अमृत विचार : बिजली उपकेन्द्र के लिए प्रस्तावित ग्राम समाज की खाली पड़ी 10 बीघा जमीन को देखने के लिए मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश पहुंचे। बुधवार को धौराटांडा पहुंचकर उन्होंने राईस मिलर्स की बिजली संबधी समस्याओं को जाना और बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए सुझाव भी मांगे।राइस इंडस्ट्रीज के सभागार में उद्यमियों से रूबरू हुए मुख्य अभियंता नेकहा कि नए बिजलीघर निर्माण के लिए उन्होंने कार्ययोजना बनाकर प्रस्ताव भेजने की बात कही है। इस मौके पर अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ज्ञानेन्द्र सिंह, भी रहे।

SRMS

37वाँ स्मृति दिवस

2 अक्टूबर 2025

कर्मजं बुद्धियुक्ता हि फलं त्यक्त्वा मनीषिणः।
जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः पदं गच्छन्त्यनामयम्।।
(श्रीमद्भगवद्गीता 2/51)

पूज्य स्व. राम मूर्ति जी
(08.02.1910 - 02.10.1988)
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, गांधीवादी, पूर्व सांसद,
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

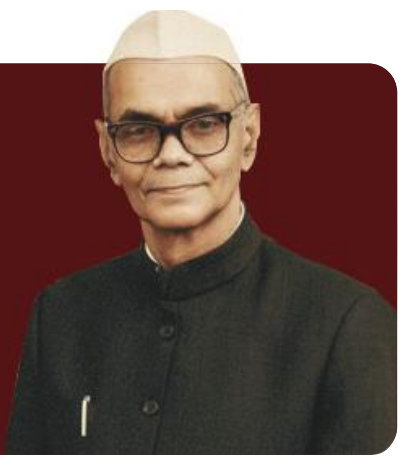

श्रद्धांजलि
2 अक्टूबर 2025 | प्रातः 11:00 से 1:00 तक
श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
13 कि.मी., बरेली-नैनीताल रोड, बरेली

राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

प्रो. (डॉ.) एस.एम. बोस
वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी पीजीआई, चण्डीगढ़

प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा
कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

डॉ. नीलम गुप्ता
संस्थापक एवं अध्यक्ष AROH फाउंडेशन

श्री मनीष कुमार
हैड- रिस्क एण्ड कॉम्पलाइनसेज (इंजी. सर्विसेज) इनफोसिस लि.

₹3.5 करोड़ छात्रवृत्ति वितरण
एस.आर.एम.एस. महाविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों हेतु

पुरस्कार वितरण
- वाद-विवाद प्रतियोगिता
- कहानी प्रतियोगिता

देव मूर्ति
(संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी)
& समस्त ट्रस्ट परिवार

1990-2025 35 GLORIOUS YEARS

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट
बरेली • लखनऊ • उन्नाव

9412761544 www.srms.ac.in Follow us:

न्यूज डायरी

आनंद आश्रम का 66 वां विराट वार्षिकोत्सव कल से

बरेली, अमृत विचार : रामपुर बाग स्थित आनंद आश्रम ट्रस्ट की ओर से 66 वां विराट वार्षिकोत्सव एवं संत सम्मेलन 3 से 6 अक्टूबर तक धूमधाम से मनाया जाएगा। चार दिवसीय आयोजन में देशभर से संत, आचार्य और कथावाचक शामिल होंगे। आश्रम की ओर से दमा की निशुल्क औषधि भी वितरित की जाएगी। आनंद आश्रम प्रबंध समिति के मंत्री अनिल अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम प्रतिदिन दो सत्रों में होगा। पहला सत्र सुबह 8 से 10:30 व दूसरा सत्र शाम 6 से 8:30 बजे तक होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी असंगानंद सरस्वती महाराज करेंगे। भक्तों को आश्रम प्रबंध समिति के अध्यक्ष स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज का भी सानिध्य प्राप्त होगा। आनंद आश्रम की स्थापना वर्ष 1956 में श्री दैवी संपद महामंडल के स्वामी शुकदेवानंद महाराज ने की थी। समिति के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में कनखल हरिद्वार से स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती महाराज, मैनपुरी से महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती महाराज, रायबरेली से स्वामी विज्ञानानंद महाराज, सीतापुर से स्वामी धर्मेंद्र आचार्य, हरिद्वार से स्वामी विवेकानंद सरस्वती महाराज, उन्नाव से आचार्य नरेश शास्त्री प्रवचन, कथा और भजनों की प्रस्तुति करेंगे। मीडिया सलाहकार अनुज अग्रवाल ने बताया कि 5 और 6 अक्टूबर को आश्रम कार्यालय से दमा की दवा निशुल्क वितरित की जाएगी। समिति सदस्य प्रेम शंकर अग्रवाल ने बताया कि आश्रम में स्वामी शुकदेवानंद निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन सुबह 8 से 10:30 बजे तक संचालित होता है। प्रेम शंकर अग्रवाल, नर सिंह मोदी, शशिकांत मोदी, रजनीश अग्रवाल, अनिल गुप्ता, राजीव अग्रवाल, विवेक अग्रवाल राजू उपस्थित रहे।

विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने मॉडल बनाए

बरेली, अमृत विचार : भोजीपुरा स्थित भारत इंटर कॉलेज में बुधवार को विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जिसका आरंभ मुख्य अतिथि भोजीपुरा ब्लॉक प्रमुख योगेश पटेल ने किया। बच्चों ने विभिन्न विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार ने अतिथियों को सम्मानित किया। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय प्रबंधक हरविंदर सिंह लाठी, सदस्य दिलीप गंगवार, विज्ञान शिक्षक जगदीश गंगवार, भूप सिंह, गंगा विष्णु, संतोष कुमार, शगुन गुप्ता, ललित कुमार आदि मौजूद रहे।

कैंट विधानसभा क्षेत्र की कमान मिलने पर हरिओम का किया स्वागत

बरेली,अमृत विचार : सपा ने हरिओम प्रजापति को कैंट विधानसभा क्षेत्र की कमान सौंपी है। मनोनयन पत्र प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर जारी किया। बुधवार को पार्टी कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी की अध्यक्षता में हरिओम प्रजापति का स्वागत किया गया। महानगर अध्यक्ष ने कहा, सपा हमेशा समाज में पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने का काम करती रही है। इंजीनियर अनीस अहमद ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में सहयोग की बात कही। वहीं, डॉ. अनीस बेग ने केक काटकर खुशी जताई। कैंट विधानसभा अध्यक्ष हरिओम प्रजापति ने कहा कि नेतृत्व ने जो मुझ पर विश्वास जताया है, उसे मैं अपने काम से और अधिक बढ़ाऊंगा। सुरेन्द्र मिश्रा, पंडित दीपक शर्मा, शेर सिंह गंगवार, राजेश मौर्या, हसीब खान, सुरेन्द्र सोनकर, जितेंद्र मुंडे, सुजा खान, धीरज यादव, नाजिम कुरैशी, संजय वर्मा, दिनेश कुमार गंगवार, सुधीर कुमार एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

मनौना धाम में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान होंगे विभिन्न अनुष्ठान

आंवला, अमृत विचार : मनौना धाम स्थित बाबा श्याम मंदिर में वर्षों से चल रहे निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन सात अक्टूबर को किया जाएगा। जिसके लिए विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी।मंदिर कमेटी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ तीन अक्टूबर को कलश यात्रा के साथ होगा। इसके उपरांत पंचांग पूजन और कर्म कुटी जैसे अनुष्ठान सम्पन्न होंगे। चार अक्टूबर को अधिवास-अन्नाधिवास, वस्त्राधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास एवं मेवाधिवास का आयोजन किया जाएगा। पांच अक्टूबर को घृताधिवास, मधुधिवास, दधिधिवास, तीर्थजला अधिवास और जलाधिवास संपन्न होंगे। छह अक्टूबर को औषधि स्नान, नगर भ्रमण और सैया अधिवास होगा। सात अक्टूबर को मुख्य कार्यक्रम के तहत मूर्ति स्थापना, हवन, पूर्णाहुति के साथ मंदिर के महंत ओमेन्द्र महाराज जी का जन्मदिन समारोह एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आठ अक्टूबर को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन भव्य रुद्राभिषेक के साथ किया जाएगा। इन आयोजनों को लेकर मंदिर कमेटी की ओर से तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं।

984 ग्राम अफीम के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

भमौरा ,अमृत विचार: अफीम देने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे महिला और पुरुष को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 984 ग्राम अफीम बरामद हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में

इसकी कीमत 20 लाख बताई जा रही है। पकड़ी गई महिला बिहार की है और वह झारखंड से दो लाख में अफीम खरीदकर लाई थी। युवक बदायूं के बिनावर का रहने वाला है। मुखबिर की सूचना पर बदायूं रोड बंद पड़े ईंट भटठे के पास से महिला पुरुष को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम अंजली देवी निवासी कस्बा थाना माधो गहर जिला कटिहार बिहार हाल निवासी गैनी अलीगंज बताया। युवक ने अपना नाम शराफत पुत्र सादिक निवासी सिसैया बिनावर बताया। तलाशी में उनके पास से 984 ग्राम अफीम मिली। शराफत ने बताया वह ईंट भट्टे के पास ग्राहक को माल देने का इंतजार कर रहा था।

किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश, कपड़े फाड़े

राजपुर कलां, अमृत विचार : अलीगंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला माहेगीर में मंगलवार की शाम दबंगों ने घर में घुसकर परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि दबंगों ने गाली-गलौज कर नाबालिग पुत्रियों के साथ छेड़छाड़ व मारपीट की। इस दौरान एक किशोरी के कपड़े फाड़कर दुराचार का प्रयास किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 सितंबर को वह किसी काम से बरेली गए थे। घर पर उनकी तीन पुत्रियां और पुत्र निज़ाम मौजूद थे। उसी दौरान मोहल्ले के ही वहीद पुत्र रसीद, आदिल, आरिफ पुत्रगण वहीद, रोहित पुत्र भूरा व जिल हसन जबरन घर में घुस आए और पुत्रियों के साथ अभद्रता व मारपीट करने लगे। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने उनकी पुत्री से दुराचार की नीयत से कपड़े फाड़े अपने बचाव में उसे गंभीर चोटें आईं।

दशहरा पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

interlinkFOODS

INTERLINK FOODS PRIVATE LIMITED

Registered Office :

Ground Floor, Rasvilas Salcon,
Saket District Centre, Saket,
New Delhi-110012

T: +91-11-41982300 F:+91-11-41982311

CIN : U15410DL2008PTC177846

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

युवक की संदिग्ध हालत में मौत

नवाबगंज। मोहल्ला वेलदारान में बुधवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान दर्शन सिंह पुत्र फूल सिंह के रूप में हुई है। परिवारजन का कहना है कि दर्शन सिंह का पत्नी से अक्सर विवाद रहता था। बीती रात भी दोनों में जमकर झगड़ा हुआ था। मृतक का भाई अमित घटना के समय मौके पर मौजूद था, लेकिन उसने परिवार को कुछ नहीं बताया। बुधवार तड़के करीब 4 बजे अमित ने बड़े भाई अमर सिंह को सूचना दी कि दर्शन सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

मृतक के भाई अमर सिंह का आरोप है कि दर्शन की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि गला दबाकर हत्या की गई है। उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग करते हुए थाने में तहरीर दी है।

योगी को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक सहित दो गिरफ्तार

जिले में आंवला, शीशगढ़, फरीदपुर, रिठौरा और भोजीपुरा में डाली गईं भड़काऊ पोस्ट

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले में शांत फिजा को अशांत करने में अब भी कुछ उपद्रवी लोग बाज नहीं आ रहे हैं। कहीं मुख्यमंत्री के फोटो एडिट करके तो कहीं उनके भाषण को तोड़मरोड कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जा रहा है। जिले में पांच जगहों पर अशांति फैलाने के हुए प्रयास में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार और एक का चालान किया जबकि चार लोगों के पोस्ट कीजांच की जा रहीहै। पुलिस ने मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ के चेहरे को एडिट कर उन्हें जान से मारने की धमकी देने वाले शीशगढ़ में बीएससी के छात्र को भी गिरफ्तारकर लिया है।

शीशगढ़ ग्राम कैमरिया थाना शीशगढ़ निवासी बीएससी के छात्र अरबाज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे कान नाक को एडिट करके रील बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने वाला गाना भी प्रसारित किया था। इंस्टाग्राम के आधार पर पुलिस ने आरोपी अरबाज के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गांव के दो युवकों ने भड़काऊ पोस्ट किए वायरल

भोजीपुरा में थाना क्षेत्र के गांव घंघोरा पिपरिया निवासी एक युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो गलत तरीके से एडिट कर वायरल किया है। इसी गांव में समुदाय विशेष के दूसरे युवक ने नारे लगाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है। भाजपा नेता अर्जुन सिंह यादव ने दोनों वीडियो का संज्ञान लेते हुए एक्स पर पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर दोनों खुराफातियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वरिष्ठ उप निरीक्षक टीपी सिंह ने बताया कि वायरल पोस्टों की जांच कराई जा रही है।

योगी की तस्वीर एडिट कर की पोस्ट, कार्रवाई की मांग

आंवला अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अनुपम शंखधार ने बताया कि दूसरे समुदाय के दो युवकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर को आपत्तिजनक ढंग से एडिट कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। आरोपियों में से एक कस्बे के तेली मोहल्ले का निवासी है, जबकि दूसरा खनगांवा श्याम गांव का रहने वाला है। उन्होंने कहा इस प्रकार की हरकत जनता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है। अनुपम ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

आपत्तिजनक स्टेटस लगाने पर युवक गिरफ्तार

फरीदपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम जेड़ निवासी वसीम अकमल ने फेसबुक पर एक स्टोरी लगाई जिसमें वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषण की 31 सेकंड की वीडियो को एडिट करने के बाद उस पर अशोभनीय टिप्पणी करता दिखाई दे रहा है। घटना का संज्ञान लेकर फरीदपुर पुलिस के उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया और उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। अब उसका वीडियो बना है जिसमें वह पुलिस से माफी मांग रहा है।

फेसबुक पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश, चालान

रिठौरा, अमृत विचार : रिठौरा के मोहल्ला नयी बस्ती के नासिर मंसूरी पुत्र मुन्ने ने अपनी फेसबुक आईडी से माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट की तो हिन्दू संगठनों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्वीट किया। इस पर रिठौरा चौकी के प्रभारी तुलसीदास, कांस्टेबल सचिन ने आरोपी को तुरंत धर दबोचा बुधवार को आरोपी का शांति भंग के आरोप में चालान किया गया है।

नवाबगंज में हनुमान की मूर्ति तोड़ी, ग्रामीणों में आक्रोश

नवाबगंज। थाना नवाबगंज क्षेत्र के ज्योरा मकरंदपुर गांव में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने बुधवार को मंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति को खंडित कर दिया और दानपात्र से एक हजार रुपये निकाल लिए।

गांव के निवासी प्रेम शंकर ने बताया कि वे महंत के रूप में पूजा-पाठ कराते हैं। बुधवार सुबह 6 बजे वे सामाजिक आयोजन में चले गए थे। दोपहर जब मंदिर पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा औरदानपात्र से एक हजार रुपये गायब थे और हनुमान जी की मूर्ति खंडित कर दी गई थी।महंत ने पुलिस को शिकायत की है। बतायाकि पूर्व में भी एक बार घटना हो चुकी है।

इस बार की घटना से ग्रामवासियों में गहरा रोष है। सूचना पर एसडीएम उदित पवार, सीओ नीलेश मिश्र, कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को शांत कराया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बारादरी के एकता देवी का था शव

भुता : थाना क्षेत्र के ग्राम अधकटा बुनियादी बेगम में तालाब के पास मिले महिला के शव की पहचान एकता देवी निवासी त्रिमूर्ति भवन पीपल वाली गली थाना बारादरी बरेली के रूप में हुई है। मंगलवार को अज्ञात महिला का शव मिला था। बुधवार को परिवारजनों ने एकता देवी पत्नी उमेश गंगवार के रूप में शिनाख्त की है। पति से विवाद था।

आंवला में मेघनाद के पुतले का हुआ दहन

आंवला, अमृत विचार। रामलीला मैदान में चल रहे भव्य रामलीला मेले में मंगलवार की देर शाम मेघनाद वध का दृश्य का मंचन किया गया। मंचन में युद्ध के दौरान रावण पुत्र मेघनाद ने भगवान श्रीराम और लक्ष्मण पर दिव्यास्त्रों से प्रहार कर वानर सेना को भारी क्षति पहुंचाई। तभी लक्ष्मण ने अपने धनुष से मेघनाद का वध किया। लक्ष्मण के बाण से उसका शीश धड़ से अलग हो गया। जैसे ही मंचन में मेघनाद का वध हुआ, मैदान में खड़े उसके विशाल पुतले को अग्नि के हवाले कर दिया गया। देखते ही देखते पुतला धू-धू कर जल उठा और वातावरण जयश्रीराम के नारों से गूंज उठा। इसके साथ ही जोरदार आतिशबाजी ने आसमान को रंग-बिरंगे पटाखों से जगमग कर दिया। इस अवसर पर मेला कमेटी अध्यक्ष वीरसिंह पाल, महामंत्री अमित कुशवाह, रामनिवास मौर्य सहित भारी संख्या में श्रद्धालु व नगरवासी मौजूद रहे।

मेघनाथ के पुतले का दहन किया।

किशोरी के साथ की मारपीट, मेले में भगदड़

बहेड़ी, अमृत विचार : रामलीला मेला देखने गई एक किशोरी के साथ, पड़ोस के युवक ने अपने साथियों के साथ रंजिशन गाली गलौज करते हुए मारपीट की। इस घटना के बाद मेले में भगदड़ मच गई। युवक ने धमकी दी, कि अगर कहीं शिकायत की तो इसका अंजाम अच्छा नहीं होगा।

मोहल्ला कानूनगोयान निवासी द्रोपदी पत्नी महेन्द्र पाल ने बताया कि उसके परिवार का पड़ोस के दिनेश पुत्र अमर सिंह से कई वर्ष पूर्व विवाद हो गया था। इसके बाद वह लोग रंजिश रखने लगा। बीती रात उसकी पुत्री अपने दोस्तों के साथ रामलीला मेला देखने गई थी। इस बात की जानकारी के बाद दिनेश भी अपने दोस्तों विक्की, नीरज, विशाल, प्रकाश को लेकर मेले में पहुंच गया और उसकी पुत्री को घेर लिया। इसके बाद उक्त युवक व उसके साथियों ने पुत्री के साथ गए कार्तिक, मयंक, पीयूष व आदित्य के साथ गाली-गलौज की। मना करने पर उक्त लोगों ने उसकी पुत्री को बुरी तरह मारा पीटा। शोर शराबा होने पर उक्त युवक व उसके साथी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने आरोपी दिनेश, विक्की, नीरज, विशाल पुत्र वेद प्रकाश निवासी मोहल्ला कानूनगोयान कोतवाली बहेड़ी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रंजिश में खेत के 300 पेड़ काटे

नवाबगंज। ग्राम गुरुगामा निवासी उपेन्द्र पाल सिंह, ने तहरीर में बताया कि गांव के ही रहने वाले कुछ लोगों ने 300 पापुलर और यूकेलिप्टिस के पेड़ काट डाले।

मेघनाद-अहिरावण वध का मंचन

संवाददाता, कैंट,

अमृत विचार : श्री रामलीला नाटक समाज के तत्वावधान में सदर कैंट में चल रही राम लीला में बुधवार को मेघनाद व अहिरावण वध की लीला का मंचन किया गया। लीला में कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को अचंभित कर दिया।

लीला का मुख्य आकर्षण मेघनाद वध व सती सुलोचना का रामा दल में जाकर प्रभु राम से अपने पति का सिर मांगना रहा। लक्ष्मण की भूमिका में सचिन, मेघनाद की भूमिका में विष्णु, अहिरावण की भूमिका में सह निर्देशक लक्ष्मी नारायण गोस्वामी व सती सुलोचना की भूमिका में कुमकुम ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से दर्शकों द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट पंडाल में गूंजती रही।

रामलीला में लक्ष्मण शक्ति की लीला दिखाई

नवाबगंज, अमृत विचार : रामलीला मेले में बुधवार को लक्ष्मण शक्ति की लीला हुई। युद्ध में जब मेघनाथ ने जब लक्ष्मण पर भीअमोघ शक्ति का प्रहार किया तो वह मूर्छित होकर गिर पड़े। अनुज लक्ष्मण को मूर्छित पड़ा देख भगवान राम विचलित हो गए और विलाप करने लगे। अपने इष्ट को विचलित होते देख वृद्ध ऋषिराज जामवंत के सुझाव पर हनुमान उपचार के लिए लंका से सुषेण वैद्य को लाए तो उन्होंने बताया कि यदि सूर्योदय से पूर्व कोई द्रोणागिरि पर्वत से संजीवनी बूटी ले आए तब ही लक्ष्मण की मूर्छा दूर हो सकती है। जिस पर पवन पुत्र संजीवनी लेने रवाना हो गए। जब सूर्योदय होने से कुछ पूर्व तक हनुमान संजीवनी लेकर नहीं पहुंचे तब भगवान राम विचलित होने लगे और भ्राता लक्ष्मण का सर गोद में रखकर विलाप करने लगे। भगवान राम विलाप कर रहे थे कि अचानक ही सूर्योदय से पूर्व ही महावीर पहाड़ी सहित संजीवनी लेकर पहुंच गए और सुषेण वैद्य द्वारा उपचार के बाद लक्ष्मण की मूर्छा दूर होने के बाद राम की सेना में उल्लास छा गया। मेलाध्यक्ष रविन्द्र पाल गंगवार ने बताया गुरुवार को कुम्भकर्ण के वध के बाद उसका विशालकाय पुतला फूंका जाएगा।

दंगल में पहलवानों ने दिखाए दांव-पेच

आंवला, अमृत विचार : स्थानीय रामलीला मेले में आयोजित दंगल में दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अपने दांव-पेच का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कुश्ती के दौरान मनौना के विजनेस और सिरौली के असलम आदि पहलवानों ने कुश्ती जीती। कई पहलवान मुकाबले में बराबरी पर छूटे। आयोजकों ने विजयी पहलवानों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर भैरम सिंह यादव, सभासद सुनील यादव, डॉ. जीराज सिंह यादव, नाजिम अली, अरविंद यादव आदि लोग मौजूद रहे।

रंजिश में युवक पर हमला घायल

नवाबगंज। मोहल्ला आदर्श नगर में पुराने विवाद की रंजिश में बुधवार शाम कुछ युवकों ने घात लगाकर युवक पर हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित के पिता राजेश वर्मा निवासी आदर्श नगर कस्बा नवाबगंज ने थाने में दी तहरीर में बताया कि मंगलवार को उनके पुत्र जतिन का मोहल्ले के कुछ लड़कों से झगड़ा हो गया था। इस मामले में दोनों पक्षों का पुलिस ने 151 में चालान किया था।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम RESHMA PARVEEN से बदलकर FARZANA BEGUM रख लिया है। भविष्य में मुझे FARZANA BEGUM W/O ABDUL KHALIQ KHAN निवासी मो. बाडुजई प्रथम तहसील सदर जिला शाहजहांपुर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0998282 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0741395 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गयी हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **संदीप कुमार वर्मा पुत्र श्री मेवा राम वर्मा निवासी ग्राम मुडिया जमा खां, थाना निगोही जनपद शाहजहांपुर**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353 समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!
ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
• शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
• दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
• हिलते हुए दांतों को जाम करना।
• दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
• मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
• दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
• सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
• टेढ़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
• डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
• मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
• गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
• एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:- 9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी, बरेली
की ओर से आप सभी को
नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दिपावली, भाईदूज
की हार्दिक शुभकामनाएें
चौ. जगपाल सिंह यादव
प्रदेश संगठन महासचिव (उ0प्र0)
पूर्व प्रत्याशी, 25 - बरेली लोकसभा
मो. 9520396515

कार्यालय ग्रा.पं. जगतुआ विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 — 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडाऋ आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जगतुआ विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	डम्बर सिंह के मकान से वीरपाल के घर तक सीसी नि. कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.
2.	मुनेंद्र के घर से हरज्ञान के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव — प्रधान

कार्यालय ग्रा.पं. नौना विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 — 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत नौना विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	उदयवीर के घर से फिल्टर चैम्बर तक नाला मरम्मत कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव — प्रधान

कार्यालय ग्रा.पं. मियां पुर दियौरा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 — 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत मियां पुर दियौरा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	गीता देवी के घर से बोहरन के घर तक सीसी व नाली नि. कार्य	प्रा. के अनु.
2.	आर्येन्द्र के घर से बलवीर पंकज के रास्ते तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव — प्रधान

कार्यालय थाना प्रेम नगर जनपद बरेली

नीलामी सूचना

थाना प्रेमनगर बरेली पर दिनांक 8.10.25 को 16 वाहनों की नीलामी है। इच्छुक रजिस्टर्ड जीएसटी नंबर के साथ कबाड़ी दिनांक 8.10.25 को समय 10:00 बजे थाना प्रांगण में उपस्थित हो अन्य शर्तें एवं विवरण थाना उपस्थित आकर देखे जा सकते हैं। ई-निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

प्रभारी निरीक्षक
थाना प्रेमनगर, जनपद बरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
गंगा सिंचाई भवन, तेलीबाग
लखनऊ।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-06/द्वादशम्/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न कार्य हेतु निविदा दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी टेक्निकल बिड दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे अधीक्षण अभियन्ता, द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य, लखनऊ के कार्यालय में ऑनलाइन खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.10.2025 की पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 09.10.2025 की अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने पर बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। निविदा नोटिस एवं प्रपत्र की जानकारी http://idup.gov.in पर उपलब्ध होगी।

लॉट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (GST रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में (जी0एस0टी0 सहित)	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	जनपद लखीमपुर-खीरी में गिरिजा बैराज के दायें अफलक्स बंध के किमी0 0.000 से किमी0 8.550 तक निर्मित मेटल्ड रोड के नवीनीकरण का कार्य।	148.32	2.97	45 दिवस	रू0-4466.00 (3784.00+682.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, शारदानगर, लखीमपुर-खीरी।
2.	शारदा सहायक पोषक नहर के बायें बैंक के किमी0 119.680 से किमी0 125.258 तक गड्ढामुक्ति एवं किमी0 125.300 से किमी0 140.936 तक सेवामार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	252.92	5.06	45 दिवस	रू0-5700.00 (4830.00+870.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, लखनऊ।

अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
लखनऊ।

UP-238395 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।
कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।
(ई-प्रोक्योरमेन्ट अतिअल्पकालीन निविदा सूचना)

पत्रांक :-1845/ग्रा0अ0वि0/निविदा/2025-26/दिनांकः- 24.09.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	पर्यटन स्थल यक्ष सरोवर (लीलौर झील) का पुर्नउद्धार/निर्माण (वि0नि0-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
02	बरेली	लिलौर झील के किनारे 12.6X24 फीट साइज़ के कॉटेज का निर्माण कार्य (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
03	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में पॉली हाउस पर्यटन केंद्र की रोड साइड की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	12.170	24400.00	854.00	03 माह
04	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में ट्रेन यार्ड अन्य प्रसाधन सुविधा केन्द्रों की चारदीवारी एवं लिंक फेंसिंग कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	14.250	28500.00	854.00	03 माह

2. आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 03-10-2025
3. आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025 मध्याहन 12.00 वजे तक
4. आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025, अपरान्ह 12.30 वजे तक
5. अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।
नोट :- उपरोक्त समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड-बरेली।

UP-238436 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

योगी ने विजयादशमी पर्व पर दी बधाई

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। योगी ने बताया कि विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिन प्रभु श्रीराम ने अधर्म, असत्य एवं बुराई के प्रतीक रावण का संहार किया था।

पोस्टर चस्पा कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास

मुरादाबाद, अमृत विचार : बरेली में हुए बवाल के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट है। पुलिस हर एक गतिविधि पर नजर रख रही है। बावजूद खुराफाती सुधरने को तैयार नहीं हैं। पाकबड़ा के गांव उमरी सब्जीपुर में यूट्यूबर सरवर आलम उर्फ इदरीसी ने खुराफात कर माहौल खराब करने का प्रयास किया। पड़ोसी के दरवाजे पर आई लव मोहम्मद का पोस्टर चस्पा कर दिया विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

रोडवेज एसी बसों में 10 फीसद कम होगा किराया

लखनऊ, अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को दशहरा और दीपावली पर तोहफ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा संचालित सभी वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10 फीसद की कमी को अग्रिम आदेशों तक जारी रखा जाएगा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

राहुल गांधी को मिली जान से मारने की धमकी

प्रतापगढ़ अमृत विचार : केरल के भाजपा प्रवक्ता की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी दिए जाने को लेकर बुधवार को यहां पार्टी नेताओं ने नगर कोतवाली में तहरीर दी। कार्यकर्ताओं ने मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कोतवाली पहुंचा। कोतवाल नीरज यादव को तहरीर देकर कहा कि 26 सितंबर को केरल के एक चैनल पर लाइव प्रसारण में लोकसभा सांसद राहुल गांधी के सीने में गोली मारने की धमकी दी गई।

मुजफ्फरनगर में खड़े ट्रक से टकराई कार, 6 की मौत

अस्थियां विसर्जित करने पूरा परिवार जा रहा था हरिद्वार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

मुजफ्फरनगर के तितावी क्षेत्र में बुधवार को एक कार के खड़े ट्रक से जा टकराने से भीषण हादसा हो गया। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह पिचक गई। कार में कुल 7 लोग सवार थे। हादसे में तीन महिलाओं और तीन पुरुषों समेत 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

घायल को नजदीकी अस्पताल से रेफर किया गया है। हादसा पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे (एनएच-58) पर तितावी थाना क्षेत्र में हुआ। पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपाली राव ने बताया कि तितावी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर एक ढाबे के पास एक तेज रफ्तार कार सड़क

दुर्घटनाग्रस्त कार।

किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। राव ने बताया कि हरियाणा के करनाल के फरीदपुर निवासी महेंद्र जुनेजा की हाल ही में कैंसर से मौत हो गई थी। उनकी अस्थियां गंगा में विसर्जित करने के लिए पूरा परिवार हरिद्वार जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। हादसे में महेंद्र जुनेजा की पत्नी मोनिका

- **मृतकों में तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल, एक गंभीर**

(40), बेटा पीयूष (19), दो बहनें अंजू और मोहिनी, जीजा राजेंद्र और कार चालक शिवा की मौत हो गई। वहीं एक युवक हार्दिक गंभीर रूप से घायल है।

ढाबा मालिक राजेश कुमार ने बताया कि ट्रक हाईवे के किनारे खड़ा था। तभी तेज रफ्तार कार पीछे से आकर उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार 14 फीट से सिकुड़कर करीब 8 फीट की रह गई। स्थानीय लोगों ने गेट तोड़कर घायलों और मृतकों को बाहर निकाला और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिवार को सूचना दी गई है।

नोएडा में इमारत की छठी मंजिल से कूदकर युवती ने की आत्महत्या

नोएडा, एजेंसी: नोएडा के सेक्टर-73 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली 30 वर्षीया युवती ने अपनी सोसाइटी की इमारत की छही मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि हंसराज अपार्टमेंट में रहने वाली संध्या (30) ने बुधवार अपराह्न तीन बजे के करीब अपनी सोसाइटी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। इस घटना में संध्या गंभीर रूप से घायल हो गई।

उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है की संध्या अपनी बहन के साथ रहती थी। उन्होंने बताया कि आत्महत्या के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस संध्या की बहन और अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है।

आरएसएस : सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो ; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था, तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी (एम.एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहां के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को 'The sword arm of Punjab' कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा। 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। केआर मलकानी की पुस्तक 'दि आरएसएस स्टोरी' के अनुसार, 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया। इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था।

आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मज़बूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था- इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।

वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 ज़िलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गांवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएं चला रहा है।

महात्मा गांधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था, जहां उन्होंने संघ के अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएं 13 दिनों के लिए स्थगित कर दी थीं। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहां संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के ज़रिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छुट्टा गोवंश से टकराकर दो दोस्तों की गई जान

ओरछी, अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर मंगलवार देर रात थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में छुट्टा गोवंश से टकराकर बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। एक युवक अपने दोस्त के साथ बहन के घर जागरण में जा रहा था। पुलिस ने बुधवार को शवों के पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव मितरौली निवासी विवेक चौहान (18) पुत्र धीरेंद्र अपने दोस्त अमन उर्फ वंश वर्मा (20) के साथ मुरादाबाद से अपनी बहन राधा की ससुराल में आयोजित जागरण में शामिल होने के लिए दातागंज क्षेत्र के गांव सादुल्लागंज बाइक से जा रहे थे। मुड़िया धुरेकी के पास अचानक छुट्टा गोवंश का झुंड राजमार्ग पर आ गए। बाइक चला रहे अमन ने तेज ब्रेक लगाए लेकिन उनकी बाइक छुट्टा गोवंश से टकरा गई। गोवंश के सींघ अमन के पेट में घुस गए।

बच्चों के विवाद में किसान की हत्या

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार: रजबपुर थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने कुल्हाड़ी से हमला कर किसान की हत्या कर दी। उसके भाई सहित तीन लोग घायल हो गए। परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

रामपाल सिंह।

रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव बावनपुरा माफी में नत्थू सिंह और बलवीर के परिवार आस-पास रहते हैं। मंगलवार को दोनों परिवारों के बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। खेल-खेल में बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। बाद में बच्चों ने झगड़े की

पोस्टर्माटम हाउस पर मौजूद परिजन व ग्रामीण। ● अमृत विचार

बात घर जाकर परिजनों को बताई। शाम को बलवीर सिंह ने अपने बेटे रवि, लक्ष्मण, राहुल और भटपुरा माफी गांव के रहने वाले रिश्तेदार विकास के साथ नाथू सिंह के बेटे जयप्रकाश, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। धारदार हथियार और लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा।

मारपीट में जयप्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में रामपाल सिंह (35) को मेरठ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन मेरठ ले जाते समय रामपाल सिंह की मौत हो गई। हमले में घायल धर्मेंद्र की हालत नाजुक बनी हुई है।

रामपाल का शव देर शाम घर पहुंचा तो परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा काटा। देर रात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या, दो महिलाओं समेत पांच गिरफ्तार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: लापता हुई मानसिक रूप से कमजोर किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

मूल रूप से बिजनौर व हाल निवासी ग्राम कुंडा की एक महिला ने बीती 29 सितंबर को कुंडा थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह अपने चार बच्चों के साथ किराए के कमरे में रहती है। उसकी 15 वर्षीय पुत्री 10 सितंबर को बिना बताए घर से कहीं चली गई। बताया कि वह मानसिक रूप से कमजोर है और उसको दौरे पड़ते थे, जिसकी दवाइयां चल रही हैं।

पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरु कर दी। इस दौरान पुलिस को जांच में पता चला कि पांच लोग किशोरी को बहला फुसलाकर यूपी के मुरादाबाद

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद हुआ खुलासा

काशीपुर : मृतका किशोरी 10 सितंबर को लापता हुई थी। इस दौरान किशोरी की मां उसे इधर-उधर ढूंढती रही। बताया जाता है कि 22 सितंबर को जिला मुरादाबाद यूपी के कांठ में एक खेत में किशोरी का शव मिला। तब वहां की पुलिस ने शिनाख्त नहीं होने पर किशोरी के शव को मोर्चरी में रखवा दिया। 29 सितंबर को कुंडा थाना में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद जब कुंडा थाना पुलिस ने जांच शुरू की तो उन्हें कांठ यूपी में किसी किशोरी के शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस ने जब यूपी पुलिस से मिलकर जानकारी जुटाई तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

- **10 सितंबर से लापता थी किशोरी, मां की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया था मुकदमा**

जिले में ले गये हैं। बताया जाता कि जब किशोरी ने घर वापस जाने की बात कही तो आरोपियों ने पकड़े जाने के भय से किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसकी नृशंस हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक मृतका किशोरी जहां किराए पर रह रही थी उसके पड़ोस में ही एक आरोपी रहता था। सभी आरोपी मजदूरी का काम करते हैं। पुलिस ने इस मामले में इमरान निवासी ग्राम लालपुर, थाना कुंडा, इस्लाम निवासी थाना ठाकुरद्वारा, जिला मुरादाबाद (उ.प्र.) हाल निवासी सरवरखेड़ा थाना कुंडा, असगर उर्फ नन्हे निवासी थाना डिलारी, जिला मुरादाबाद (उ.प्र.), हाल निवासी सरवरखेड़ा थाना कुंडा समेत दो महिलाएं मीनाक्षी निवासी थाना शेरकोट, जिला बिजनौर (उ.प्र.) और शीला निवासी काशीपुर को गिरफ्तार किया है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों में संलिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा, जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अलीगढ़ में कारोबारी अभिषेक गुप्ता की हत्या का आरोपी शूटर गिरफ्तार

अलीगढ़, एजेंसी: अलीगढ़ पुलिस ने गोली मारकर कारोबारी अभिषेक गुप्ता की हत्या किए जाने के मामले में एक शूटर को बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार शूटर की पहचान मोहम्मद फजल के रूप में हुई है और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने कहा कि फजल ने खुलासा किया कि उसने सुपारी लेकर यह हत्या की थी। उसे और उसके साथी आसिफ को पूजा शकुन पांडेय और उनके पति अशोक पांडेय ने इस हत्या की सुपारी दी थी। उसने बताया कि मृतक के पिता ने हत्या की रात इन्हीं षड्यंत्रकारियों के नाम लिए थे। अभिषेक गुप्ता का खैर इलाके में एक शोरूम था। 26 सितंबर को जब अभिषेक गुप्ता अपने पिता और रिश्ते के भाई के साथ खैर से सिकंदरा राव जाने के लिए बस में चढ़ रहे थे तभी उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के अगले दिन पुलिस ने पूजा शकुन पांडेय के पति अशोक पांडेय को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

अयोध्या के मुस्लिम बहुल इलाके में छह दशकों से जारी है रामलीला की परंपरा

अयोध्या, एजेंसी

रामलीला का मंचन करते कलाकार।

अयोध्या के मुस्लिम बहुल इलाके मुमताज नगर में स्थानीय मुस्लिमों द्वारा पिछले 62 वर्षों से रामलीला के आयोजन की परंपरा अनवरत जारी है। करीब 1,000 लोगों की आबादी वाले इस इलाके में 700 से अधिक मुस्लिम हैं और इस इलाके में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा गठित रामलीला रामायण समिति के बैनर तले 1963 से रामलीला का आयोजन किया जाता रहा है।

हर साल लगातार 10 दिनों तक मुस्लिम कलाकारों द्वारा रामायण के विभिन्न पात्रों के साथ रामलीला का मंचन किया जाता है और इसका पूरा खर्च उठाने के साथ ही निर्देशन और आयोजन भी मुस्लिमों द्वारा किया जाता है। हालांकि, इस वर्ष कुछ अपरिहार्य कारणों से रामलीला का मंचन केवल सात दिनों- 27 सितंबर से तीन अक्टूबर तक किया जा रहा है। रामलीला समिति के अध्यक्ष सैयद मजीद अली ने कहा कि यहां रामलीला में मुस्लिम युवक हिंदू कलाकारों के साथ प्रस्तुति देते हैं। भले ही रामायण के पात्र का अभिनय करने वाले मुस्लिम इस्लाम के मानने वाले हैं, वे हमारे हिंदू भाइयों की सांस्कृतिक परंपराओं में हिस्सा लेने से कभी नहीं हिचकिचाते।

मुमताज नगर के निवासी और इस समिति के लंबे समय से सदस्य रहे बनवारी लाल ने कहा कि यह परंपरा आस्था से जुड़ी है और मुस्लिम समुदाय इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी लेता है। आयोजन समिति के एक अन्य सदस्य मोहम्मद इब्राहिम ने कहा कि मुमताज नगर एक मुस्लिम बहुल गांव है और हम सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने वाली परंपरा को बचाए रखना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

उन्होंने कहा कि हर साल जब हम रामलीला का आयोजन करते हैं, हमें सेवा और एकता का एक अनूठा एहसास होता है।

धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी: जिले में सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 30 सितंबर को तुषार चौधरी नामक युवक ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी से एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था इसमें कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की गई थी।

इस संबंध में शिकायतकर्ता फरदीन पुत्र अहसन निवासी बनियावाला खेत, खत्ता रोड, रशीद नगर ने थाना ब्रहमपुरी में तहरीर दी। पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर आज थाना ब्रहमपुरी में मामला दर्ज किया गया नामजद आरोपी तुषार चौहान (19) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिससे वीडियो सोशल मीडिया पर डाला गया था। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा।

खगोलीय घटना 700 किमी प्रति सेकेंड की रफ्तार से धरती की ओर बढ़ रहा सौर तूफान

सूर्य की सतह पर फिर जबरदस्त विस्फोट, उठा तूफान

- **वर्तमान में सूर्य की सतह पर बने हुए हैं 10 सन स्पॉट ग्रुप**
- **तूफान के ध्रुवों से टकराने पर दिखाई देंगे रंगीन ऑरोरा**

संवाददाता, नैनीताल

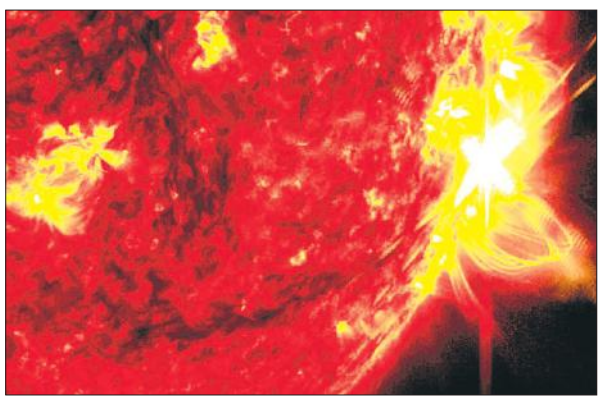

सूर्य की सतह पर विस्फोट से उठता तूफान।

अमृत विचार : सूर्य पर विस्फोटों का दौर जारी है। एक दिन पहले सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से निकला सौर तूफान 700 किमी प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। सूर्य की सतह पर 10 सन स्पॉट ग्रुप बने हुए हैं।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, 29 सितंबर को एक जबरदस्त विस्फोट सूर्य की सतह पर हुआ। इस विस्फोट से शक्तिशाली जी 3-क्लास जियोमैग्नेटिक सौर तूफान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। आजकल में यह तूफान पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्र से टकराएगा। इस तूफान से किसी तरह के ब्लैक आउट या सैटेलाइट को हानि की कोई संभावना नहीं है। अलबत्ता ध्रुवों से टकराने पर रंग बिरंगे ऑरोरा यानी रोशनी नजर आएगी। सौर वैज्ञानिक इस तूफान पर नजर बनाए हुए हैं।

11 से 14 वर्षों के बीच एक बार विस्फोट

सूर्य पर विस्फोटों का दौर 11 से 14 वर्षों के बीच एक बार आता है, जो एक से डेढ़ वर्ष के बीच जारी रहता है। इस बार डेढ़ वर्ष से विस्फोटों का दौर जारी है जिसके चलते छोटे-बड़े सैकड़ों विस्फोट हुए हैं जिनमें कई बड़े विस्फोटों ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि अब जल्द ही सूर्य शांत होने लगेगा और विस्फोट भी थम जाएंगे।

फिलहाल इन दिनों सूर्य की सतह सौर कलंकों से पटी हुई है। दस सन स्पॉट ग्रुप सूर्य की सतह पर फैले हुए हैं जिनसे बड़े विस्फोटों की आशंका बनी हुई है।

डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से सूर्य पर जबरदस्त विस्फोट हो रहे हैं। विस्फोटों से निकले सौर तूफानों से कई बार ब्लैक आउट हो चुके हैं। साथ ही संचार व्यवस्थाओं पर भी हल्का प्रभाव डाला है।

यूकेएसएसएससी की भर्ती परीक्षाएं तय समय पर होंगी

देहरादून। स्नातक स्तरीय परीक्षा के पेपर लीक विवाद में फंसने के बावजूद उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) पांच हजार से ज्यादा पदों की भर्ती परीक्षाएं तय समय पर कराएगा।

आयोग के अध्यक्ष गणेश सिंह मर्तोलिया ने बुधवार को बताया कि जून 2026 तक विभिन्न सरकारी विभागों के पदों के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाएं पहले से जारी कार्यक्रम के अनुसार तय तारीखों पर ही होंगी। इसी माह में पांच और 12 अक्टूबर को परीक्षा होगी जबकि 28 अक्टूबर को फॉरेस्टरों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा होनी है। जून 2026 तक करीब 5000-5500 पदों के लिए भर्ती परीक्षाएं होनी हैं।

सीएम ने सीबीआई जांच की संस्तुति अनुमोदित की

संवाददाता, देहरादून

- **मुख्यमंत्री ने की थी पेपर लीक प्रकरण की जांच की घोषणा**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की हाल ही में आयोजित परीक्षा में नकल प्रकरण की सीबीआई जांच की संस्तुति को अनुमोदित कर दिया है। उन्होंने कहा कि, सरकार का यह निर्णय युवाओं के हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

हाल ही में मुख्यमंत्री धामी स्वयं बेरोजगार संघ के धरना स्थल पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने युवाओं के बीच जाकर इस मामले की सीबीआई जांच कराने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने युवाओं से सीधे संवाद कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के मन में कोई शंका या संदेह नहीं रहना चाहिए इसीलिए राज्य सरकार ने मामले को राज्य की एजेंसियों तक सीमित रखने के बजाय सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया है। प्रकरण की गहन जांच होगी और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

अमृत विचार

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाय, गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

उम्मीदों का रोडमैप

अगले साल से 'समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश-2047' का विजन-डॉक्यूमेंट विधिवत लागू होने का समाचार उम्मीद जगाने वाला है। सरकार ने निर्णय लिया है कि वह मौजूदा 9 प्रतिशत की विकास-दर को बढ़ाकर 16 प्रतिशत की वार्षिक विकास-दर हासिल करेगी और 2047 तक औसतन इसी 16 प्रतिशत की दर बनाए रखेगी, ताकि छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त हो और उत्तर प्रदेश देश की कुल जीडीपी में 20 प्रतिशत का योगदान दे सके। वर्तमान में लगभग 353 बिलियन डॉलर की जीडीपी को 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना आकाश-कुसुम प्रतीत होता है, पर विजन और प्रतिबद्धता के दम पर क्या नहीं हासिल किया जा सकता और इस सरकार में वे दोनों तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं।

विभिन्न सूचकांकों के आधार पर उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पहले स्थान पर आने के लिए उसे तमिलनाडु और महाराष्ट्र को पीछे करना होगा। व्यापार में सुगमता के मानक पर सूबा देश में दूसरे स्थान पर है, सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में 11 पायदान की छलांग लगाकर अब 18वें स्थान पर आ चुका है। निर्यात-तैयारी सूचकांक में राज्य ने सातवां स्थान प्राप्त किया और सुशासन सूचकांक में साल दर साल सुधार देखा गया है। बुनियादी ढांचे के विकास पर होने वाले व्यय के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है और राज्य में प्रति-व्यक्ति आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि से जनता में भी उत्साह है। विगत आठ वर्षों की सरकारी सक्रियता उसके मनोबलवर्धक दावे में दम भरती है कि 2030 तक राज्य कृषि निर्यात में देश का अगुवा बनेगा, रूस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे वैश्विक कृषि निर्यातकों की श्रेणी में शामिल होगा और वैश्विक कृषि जगत के लिए रोल-मॉडल बनकर उभरेगा। हाल के वर्षों में राज्य ने आर्थिक और शासन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार दिखाए हैं, खासकर बुनियादी ढांचे के विकास और ई-गवर्नेंस में, परंतु सामाजिक और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता बनी हुई है, जहां राज्य कई सूचकांकों में निचले पायदान पर है।

फिलहाल, वर्तमान कार्ययोजना का मसौदा 30 नवंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। अनुमोदन के पश्चात दिसंबर में यह रोडमैप लागू करने के लिए तैयार होगा और अगले ही महीने वे 12 सेक्टर्स, जिन्होंने लाखों सुझावों के आधार पर अपने-अपने कार्यक्रम पहले ही तैयार कर लिए हैं, इन पर काम शुरू कर देंगे। विचारों को कार्यप्रणाली में बदलने की यह तेज रफ्तार बताती है कि सरकार अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी प्रतिबद्ध, आश्वस्त और उत्साहित है। सरकार ने क्रांतिकारी बदलाव करने का मन बनाया है, पर क्या धन भी पर्याप्त है? इस प्रश्न का उत्तर अगले माह प्रस्तुत होने वाले सालाना बजट से स्पष्ट होगा, जब चयनित 12 प्राथमिक सेक्टरों के बजटीय आवंटन देखने को मिलेगा। फिलहाल, इन सकारात्मक विकासोन्मुख परिस्थितियों में यदि 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047' लागू होता है तो लक्ष्य की संभावनाएं निस्संदेह बलवती होंगी।

महात्मा गांधी का रामराज्य और उसकी सार्थकता

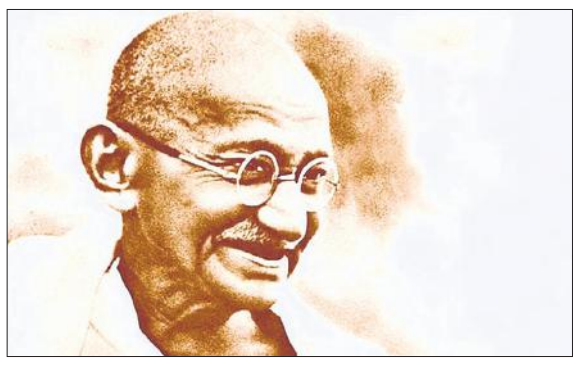

रमा निवास तिवारी

लेखक

गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य अहिंसा प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा। गांधी जी ने जिस रामराज्य की कल्पना की थी, वह वास्तव में धर्मराज्य था। उन्होंने सोचा था कि उनके भारत में धर्मानुसार लोग आचरण करेंगे, धर्मसम्मत जीवन से उनका आशय मर्यादित, संयमित और सदाचारित जीवन निर्वहन से था। रामराज्य की उनकी संकल्पना के मूल में भगवान श्रीराम का मर्यादित जीवन था।

गांधी जी ने लोगों से रामराज्य के निर्माण की अपेक्षा तो की, किंतु उनको लगा कि इस रामराज्य जैसे शब्द पर सनातन से इतर धर्मावलंबियों को एतराज न हो, तो वह रामराज्य के बजाय धर्मराज्य की स्थापना का आग्रह लोगों से करने लगे। वास्तव में महर्षि बाल्मीकि के कथन 'रामो विग्रहवान धर्मः' को अंगीकार करते हुए गांधी जी ने राम को साक्षात धर्म का विग्रह मानकर रामराज्य को धर्मराज्य कहना आरंभ किया। गांधी जी मानते थे कि राम जी ने जैसा जीवन जिया, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधो को जैसे निभाया, वह सब मर्यादा की परिधि में रहकर धर्म से अनुप्राणित था।

गांधी जी एक शब्द स्वराज का प्रयोग किया करते थे, यह शब्द राजनीतिक बिल्कुल भी नहीं था, गांधी जी इसे राष्ट्र में प्रतिष्ठित करना चाहते थे, किंतु राजनयिकों ने उसे राजनीति में प्रतिष्ठित कर दिया। इसीलिए गांधी जी को स्वराज शब्द की व्याख्या करने पर विवश होना पड़ा। गांधी जी ने एक स्थान पर लिखा है कि उनके स्वराज शब्द का अभिप्राय रामराज्य से है, उन्होंने लोगों को यह खुली छूट दे रखी थी कि लोग रामराज्य को धर्म राज्य भी मान सकते हैं।

उन्हें यह बिल्कुल भी मंजूर नहीं था कि रामराज्य को राम से पृथक करके देखा जाए। गांधी जी अपने रामराज्य के प्रति इस बात को लेकर आग्रही थे कि यहां के लोग अपनी मूल संस्कृति में अवस्थित होकर अपने चरित्र का विकास करें। जिस समय गांधी जी देश में काम कर रहे थे, उस समय ईश्वर की उपासना के अलग-अलग मार्ग चलन में थे। कुछ पंथ और कुछ धर्म ऐसे भी अस्तित्व में थे, जो राम को ईश्वर मानने को तैयार नहीं थे, लिहाजा बापू को अपने रामराज्य से सभी को जोड़ने की कवायद में रामराज्य को शब्दांतर करके धर्मराज्य और स्वराज जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा।

गांधी जी ने इस देश में राम राज्य की संकल्पना ही क्यों की? क्यों उन्होंने किसी और राजा के राज्य की कल्पना को अपने करीब उपस्थित भी होने नही दिया? यह बड़ा प्रश्न है। राम जी के पूर्वजों का कितना गौरवशाली अतीत था। गांधी जी के मन में कभी मनु राज्य, इक्ष्वाकु राज्य, दशरथ राज्य की संकल्पना क्यों नहीं पनपी? शायद राष्ट्र पिता के मन में यह बात आई होगी कि जो अपनी ही सत्ता को सुरक्षित करने में लगा हो, वह रामराज्य नहीं हो सकता। रामराज्य की तो विशेषता ही यही है कि वहां दूसरों की गद्दी पहले ठीक की जाती है फिर अपने सिंहासन की परवाह की जाती है।

भगवान राम ने पहले केवट को निहाल किया, फिर किष्किन्धा की गद्दी सुग्रीव के हवाले की। उसके बाद विभीषण को लंकेश बनाया तब जाकर कहीं खुद अयोध्या की गद्दी पर आसीन हुए। गांधी जी की दृष्टि में रामराज्य वह है, जहां त्याग की भावना है। दूसरे के सुख के लिए अपने सुखों का त्याग कर देने की हिम्मत हो। भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए अयोध्या की गद्दी छोड़ी, तो केवट ने भगवान राम को गंगा पार कराकर अपनी मजदूरी का परित्याग किया।

शायद बापू को यह बात जंची होगी कि राम राजा के पुत्र थे। उनके पास राज्य था तो उन्होंने राज्य का त्याग किया। किंतु उस केवट के त्याग की सराहना होनी चाहिए, जिसके पास दो टाइम के खाने का जुगाड़ भी नही था। उसने धर्म के पथ पर चल निकले राम के समर्थन में अपनी मजदूरी का त्याग किया। गांधी जी की दृष्टि से रामराज्य को देखें तो भगवान राम के अश्वमेध यज्ञ में नारी सम्मान और स्त्री आदर के दर्शन होते हैं। अश्वमेध यज्ञ में सीता के न होने पर सीता की प्रतिमा के द्वारा भगवान राम ने यज्ञ संपन्न किया, जबकि वह समय ऐसा था, जब राजा लोग कई-कई रानियां रखते थे। राम चाहते तो एक और विवाह करके दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अश्वमेध यज्ञ कर सकते थे। नारी के प्रति सम्मान और उसके उद्धार की दृष्टि राम राज्य के इस प्रसंग में नजर आती है।

गांधी जी शायद इस वजह से भी रामराज्य के आकांक्षी थे, क्योंकि रामराज्य में सत्ता और सरकारें अपनी बात जनता को समझाने में कम भरोसा रखती थीं, बल्कि जनता के मन की बात को समझने का प्रयास करती थीं। भगवान राम ने एक रजक की इच्छा को सम्मान देकर अपनी प्राणप्रिया सीता का निर्वासन तक कर दिया। रामराज्य का विश्वास तो देखिए, जिस राम ने बालि को बाण मारा, बालि उन्हीं राम की गोद में अपने पुत्र अंगद को डाल देता है कि अब इसकी जिम्मेदारी आपकी है।

रामराज्य तब स्थापित होता है जब अपने दुःख से बड़ा दुख दूसरे का जान पड़ने लगे। राम जी की पत्नी सीता का अपहरण हो चुका था, जब सुग्रीव ने अपनी पत्नी के बारे में बताया कि बालि ने उसकी पत्नी को अपने साथ रख लिया है, तो राम जी सीता जी का अन्वेषण बाद में कराते हैं, पहले सुग्रीव की पत्नी उसे दिलाते हैं। उन्होंने सुग्रीव के दुःख को अपने दुःख से बड़ा माना। गांधी जी मानते थे, जब अधिकार से ज्यादा महत्व लोग कर्तव्य को देंगे तो रामराज्य स्थापित होगा। रामराज्य तब आएगा, जब सभी लोग अपने हिस्से के सुख का त्याग दूसरों के लिए करेंगे।

> गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा।

आमने

पूरी दुनिया दिल्ली आ गई थी, यह कहने कि युद्ध मत शुरू कीजिए। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली आईं और प्रधानमंत्री व मुझसे मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप प्रतिक्रिया न दें। मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन फैसला सरकार को लेना था।

–पी चिदंबरम, पूर्व गृहमंत्री

सामने

सोनिया गांधी की मंडली और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत के नागरिकों के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाता है। आतंकवाद किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। –रामेश्वर शर्मा

भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

दशहराः कॉर्पोरेट और प्रबंधन की कला

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी

दशहरे का पर्व हमें यह संदेश देता है कि बुराई चाहे जितनी भी बड़ी हो, अंततः उसका नाश होता है। यह पर्व हमें समाज, कार्यस्थल और व्यक्तिगत जीवन में अच्छाई के महत्व को समझाने का अवसर भी प्रदान करता है। रामायण के प्रसंगों से निकली सीखों को आज के कार्य स्थलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण से लागू किया जा सकता है। राजा दशरथ के लिए अपनी पत्नी कैकई के दबाव में राम जी को वनवास भेजने का निर्णय एक अत्यंत कठिन निर्णय था, जो व्यक्तिगत और सामाजिक दबावों के संतुलन को साधने का प्रतीक है। राम का वनवास यह दर्शाता है कि नेतृत्व में कई बार ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जिनमें व्यक्तिगत इच्छाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों का संघर्ष होता है। इस संघर्ष को संतुलित करने की कला हर प्रमुख निर्णय में जरूरी होती है। आज के कार्यस्थल पर भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जहां शीर्ष प्रबंधन को विभिन्न दबावों के तहत ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जो संगठन के दीर्घकालिक लाभों के विपरीत हो सकते हैं।

राम जी ने अपने पिता के वचन का पालन किया, बिना किसी बहस या विरोध के। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख को नकारते हुए सामाजिक और संगठनिक हित को सर्वोपरि रखा, जो आज के कार्यस्थल में एक आदर्श नेतृत्व के रूप में देखा जा सकता है। यह एक अच्छे और सच्चे नेतृत्व की परिभाषा है। नेतृत्व केवल अधिकार और निर्णय लेने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें अनुशासन, प्रतिबद्धता और ईमानदारी भी आवश्यक है। इसी संदर्भ में लक्ष्मण और माता सीता का राम जी के साथ वनवास में रहना एक सशक्त टीम भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है। कठिन परिस्थितियों में एक सच्ची टीम अपने नेता के साथ खड़ी रहती है और यह वही बलिदान है जो आधुनिक कार्य स्थलों में भी देखा जा सकता है।

भरत जी का अपने भाई राम जी की चरणपादुका रखकर राज्य की जिम्मेदारी संभालना एक अत्यधिक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह उस अस्थायी नेतृत्व का प्रतीक है, जिसमें कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर न होते हुए भी संगठन की स्थिरता बनाए रखता है। यही वह आदर्श है, जिसे हर संगठन में लागू किया जा सकता है। स्वर्ण मृग की घटना यह दर्शाती है कि कभी-कभी अनावश्यक आकर्षण और दबाव पूरी टीम को संकट में डाल सकते हैं। सीता जी के आग्रह पर राम जी ने स्वर्ण मृग को पकड़ने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम, लक्ष्मण जी और माता सीता तीनों संकट में फंस गए। यही अवस्था आज के कार्य स्थलों पर भी देखी जा सकती है, जहां बढ़ते हुए कार्यभार और आकर्षण कभी-कभी गलत दिशा में निर्णय लेने की प्रेरणा देते हैं।

'लक्ष्मण रेखा' और रावण द्वारा सीता हरण हमें यह सिखाता है कि नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना क्यों आवश्यक है? लक्ष्मण ने सुरक्षा उपाय किए, लेकिन रावण के छल में सीता जी का फंस जाना यह दर्शाता है कि नियमों का उल्लंघन कई बार बड़े संकट का कारण बन सकता है। कार्य स्थल पर भी यही नियमों का पालन अनिवार्य है। जटायु का बलिदान और सीता जी की रक्षा का प्रयास उन कर्मचारियों का प्रतीक है, जो अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाते हैं, भले ही इससे उनका व्यक्तिगत और करियर संबंधी जोखिम बढ़ जाए। जटायु ने अपनी जान की बाजी लगाकर रावण के अहंकार के खिलाफ संघर्ष किया और इसी तरह कार्य स्थल में भी कुछ कर्मचारी (व्हिसल ब्लोअर) साहसिक तरीके से गलत प्रथाओं का विरोध करते हुए नैतिकता की रक्षा करते हैं।

श्रीराम का सीता जी की खोज में वन-वन भटकते हुए सहयोग और संधियों की स्थापना करना आधुनिक संगठन के लिए एक अमूल्य सीख है। राम जी ने वानर राज सुग्रीव, हनुमान, अंगद और अन्य शूरवीरों को उनकी क्षमताओं के अनुसार कार्य सौंपे। यही अच्छे नेतृत्व का मापदंड है- सही व्यक्ति को उसकी क्षमता और कौशल के अनुरूप कार्य देना। संधि के अनुरूप समय बीत जाने के बाद भी माता सीता की खोज प्रारंभ न किए जाने पर सुग्रीव के प्रति राम का असंतोष भी यह दर्शाता है कि अच्छे नेता अपनी टीम से जिम्मेदारी और जवाबदेही की उम्मीद रखते हैं। राम जी का संवाद और केवट, शबरी जैसे पात्रों के साथ व्यवहार एक सशक्त और संवेदनशील कार्यस्थल की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत करता है।

रावण से युद्ध में राम जी ने न केवल सेना की शक्ति का प्रयोग किया, बल्कि विरोधियों को भी अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। विभीषण को अपने पक्ष में जोड़कर उन्होंने संगठनात्मक परिवर्तन का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल बाहरी प्रतिस्पर्धा और विरोधियों पर जीत तक सीमित नहीं होता, बल्कि असंतुष्ट सदस्यों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना भी एक अच्छे नेता की पहचान है।

हनुमान जी द्वारा लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी की खोज संकट प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब टीम के महत्वपूर्ण सदस्य को आपातकालीन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो तुरंत उपयुक्त संसाधनों का तैनात किया जाना और सभी विकल्पों का उपयोग करना आवश्यक होता है। यही कार्य स्थल पर आपातकालीन संकटों से निपटने की प्रभावी रणनीति है।

> यदि हम रामायण के घटनाक्रमों को आज के कार्यस्थल और कॉर्पोरेट दुनिया से जोड़कर देखें, तो यह हमें नेतृत्व, टीम प्रबंधन और संकट निवारण की अनमोल शिक्षा प्रदान करता है।

प्रसंगवश

राजघाट पर कमी खलेगी उन शिखर गांधीवादी की

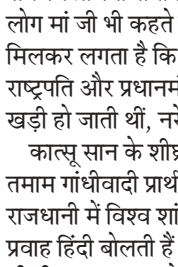

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

गांधी जयंती पर सुबह राजघाट और फिर शाम को गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में एक बेहद अहम शख्सियत की इस बार कमी खलेगी। वो बीती आधी सदी से भी अधिक समय से राजधानी में बापू के बलिदान दिवस, जयंती से लेकर खास सरकारी आयोजनों में होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेती रही हैं। हम बात कर रहे हैं कात्सू सान की। वो दो अक्टूबर तथा 30 जनवरी को राजघाट और फिर तीस जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) में आयोजित होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का स्थायी चेहरा हैं। 88 साल की कात्सू सान की उर्जा देखने लायक है। उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद, शंकर दयाल शर्मा, केआर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा सिंह पाटिल, प्रणव कुमार मुखर्जी, राम नाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा श्रीमती इंदिरा से लेकर नरेंद्र मोदी तक के सामने बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ चुकी हैं। वो बीते कई महीनों से बीमार हैं। आप चाहें तो छोटे कद की कात्सू को देश की सबसे बुलंद गांधीवादी मान सकते हैं।

कात्सू सान के नेतृत्व में ही सर्वधर्म प्रार्थना होती रही है। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वो 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं, ताकि उन्हें और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से भी साक्षात्कार हो गया। उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार गांधी जी ने ही संसार को दिया था। उनके जीवन काल में यह आरंभ हो गई थी। उनके संसार में न रहने के बाद भी दो अक्तूबर, 30 जनवरी तथा अन्य विशेष अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं। कात्सू सान को कुछ लोग मां जी भी कहते हैं। कुछ उन्हें कात्सू बहन भी कहते हैं। उनसे मिलकर लगता है कि आप अपनी मां का आशीर्वाद ले रहे हैं। उनसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी मिलते हैं। इंदिरा गांधी उनके साथ खड़ी हो जाती थीं, नरेंद्र मोदी भी उनका हालचाल पूछते रहे हैं।

कात्सू सान के शीघ्र स्वस्थ होने की राजधानी में रहने वाले तमाम गांधीवादी प्रार्थना कर रहे हैं। कात्सू सान के ही प्रयासों से राजधानी में विश्व शांति स्तूप स्थापित हुआ। कात्सू सान धारा प्रवाह हिंदी बोलती हैं। उन्होंने हिंदी काका साहेब कालेकर से सीखी। मुस्कान उनके चेहरे का स्थायी भाव है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं, जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। उन्हें अब भारत अपना देश लगता है।

सोशल फोरम

स्वतंत्रता का अर्थ किसी नेता को चुनना नहीं

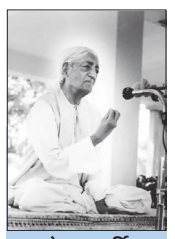

जे कृष्णमूर्ति मैत्री संवाद

फेसबुक

हमें यह पूछना होगा कि स्वतंत्रता (freedom) क्या है। अक्सर कहा जाता है कि स्वतंत्रता कठोर अनुशासन और तथाकथित सभ्य नियंत्रण के अंत में मिलती है- 'सभ्य' का अर्थ यहां साहित्य, कला, संग्रहालय और अच्छा भोजन रखने के अर्थ में लिया जाता है, लेकिन यह तो केवल एक भ्रमित और पतनशील मनुष्य की बाहरी परत है। क्या स्वतंत्रता का अर्थ मनोरंजन के विकल्प होना है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ चुनाव (choice) करना है? हम प्रायः स्वतंत्रता को किसी चीज से छुटकारा पाने के रूप में देखते हैं- बंधन से, चिंता से, अकेलेपन से, निराशा से और इसी प्रकार की अन्य अवस्थाओं से, लेकिन इस प्रकार सोचना केवल हमें और अधिक, शायद अधिक परिष्कृत, दुख, पीड़ा और घृणा की कुरूपता की ओर ले जाता है।

स्वतंत्रता का अर्थ किसी राजनीतिक या धार्मिक नेता को चुनकर उसका अनुसरण करना नहीं है, क्योंकि यह तो स्पष्ट रूप से स्वतंत्रता का निषेध है। स्वतंत्रता दासता का विलोम (opposite) नहीं है। स्वतंत्रता एक अंत है- जो हो चुका है उसे आगे बढ़ाने से इंकार करना। स्वतंत्रता का कोई विलोम नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। अब जब मैंने यह पढ़ा और समझने का प्रयास किया, तो मेरा अपने विद्यार्थियों से, अपनी पत्नी और बच्चों से और विश्व से क्या संबंध है? वास्तव में स्वतंत्रता की गहराई को समझने के लिए बड़ी मात्रा में बुद्धिमत्ता और शायद प्रेम चाहिए, लेकिन संसार की गतिविधियां न तो बुद्धिमान हैं और न ही मेरे बच्चों का समूह। मैं अपने दिन का अधिकांश समय उनके साथ बिताता हूं।

क्या मुझमें यह स्वतंत्रता, उसकी बुद्धिमत्ता और प्रेम मौजूद हैं? यदि वे मुझमें हैं, तो मेरी समस्याएं बहुत सरल हो जाती हैं। वही गुण कार्य करेगा और जिसे मैं समस्या मानता था, वह समस्या नहीं रहेगा, लेकिन वास्तव में यह मुझमें नहीं है। मैं दिखावा कर सकता हूं, मित्रता का नाटक कर सकता हूं, लेकिन वह बहुत सतही है।

मेरी ज़िम्मेदारी तात्कालिक है। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं प्रतीक्षा करूंगा, जब तक कि मुझे स्वतंत्रता और यह स्नेह, यह प्रेम प्राप्त नहीं हो जाता। मेरे पास समय नहीं है, क्योंकि मेरे विद्यार्थी मेरे सामने हैं। मैं संन्यासी नहीं बन सकता- वह न तो मेरी समस्या हल करेगा, न दुनिया की।

–जे कृष्णमूर्ति

सामयिकी

शास्त्री जी का जीवनः 'रिकॉर्ड में लिखो, 14 किलोमीटर यूज'

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री भारत सरकार में विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। एक बार वे रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार उन्होंने पंखा लगवाया। यही नहीं रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

श्वेता गोयल

लेखिका

एक अन्य अवसर पर रेल में यात्रा करते वक्त शास्त्री जी उस समय भड़क गए थे, जब विशेष रूप से उनके लिए रेल कोच में कूलर लगाने की व्यवस्था की गई। शास्त्री जी उस समय रेल मंत्री थे और बंबई (अब मुंबई) जा रहे थे। गाड़ी चलने पर शास्त्री जी अपने पीए से बोले कि बाहर तो बहुत गर्मी है, लेकिन डिब्बे में काफी ठंडक है। तब उनके पीए कैलाश बाबू ने कहा, "सर, डिब्बे में कूलर लग गया है, इसीलिए डिब्बे में इतनी ठंडक है।" शास्त्री जी ने नाराज होते हुए पीए से कहा कि बगैर मुझसे पूछे कूलर कैसे लग गया? इतने सारे लोग, जो इस गाड़ी में चल रहे हैं, उन्हें गर्मी नहीं लगती होगी? उन्होंने पीए को निर्देश दिया कि अगले स्टेशन पर गाड़ी जहां भी रूके, वहां सबसे पहले इस कूलर को निकलवाइए। मथुरा स्टेशन पर शास्त्री जी कूलर हटवाकर ही माने।

1964 में शास्त्री जी जब प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बहुत ही कम किया करते थे। वह गाड़ी किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही निकाली जाती थी। एक बार की बात है, जब शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे निकालकर ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चलाई गई? ड्राइवर ने बताया, चौदह किलोमीटर! उसके बाद शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। शास्त्री जी इतने से ही शांत नहीं हुए, उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाया और निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए उनके निजी सचिव से कहकर वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन के लिए आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमेरिका के इतर अन्य देश में बनते शिक्षा के नए विकल्प

अमेरिकी वीजा संबंधी दिक्कतों के कारण भारतीय छात्रों की पसंद बदल रही है। अब छात्रों के कदम अन्य देशों की ओर बढ़ चले हैं। अब वे अमेरिका के अलावा अन्य देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन देशों में न केवल अमेरिका से तुलनात्मक रूप से आसान वीजा नीतियां हैं, बल्कि फीस भी कम है। वहीं बेहतर स्टडी के साथ ही जॉब के बेहतरीन अवसर भी मिल रहे हैं, जिससे छात्र अपने भविष्य को लेकर भी आशान्वित हैं। हाल में हुए एक सर्वे के अनुसार, यूके अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बड़ी पसंद बनकर उभरा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जर्मनी भी छात्रों को लुभा रहा है, जहां पढ़ाई के बाद काम के अवसर और अफॉर्डेबिलिटी मुख्य कारक हैं। आज आपको बताते हैं वे कौन से ऐसे देश, जहां छात्र बेहतर करियर बना सकते हैं।

- फीचर डेस्क

शिक्षा के लिए सबसे पसंदीदा देश बना जर्मनी

- हाल में आई अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार अमेरिका और कनाडा की जगह भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी पसंदीदा देश बन गया है। एक लाख छात्रों पर आधारित यह अध्ययन बताता है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या सालाना 13 प्रतिशत कम हो रही है। साथ ही जर्मनी में भारतीय छात्रों का प्रतिशत 2022 के 13 .2 से बढ़कर 2024-25 में 32 .6 प्रतिशत हो गया। जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को एक राष्ट्रीय वीजा के लिए आवेदन करना होता है। यह एक लॉन्ग टर्म वीजा है, जो 90 दिनों से अधिक समय तक यहां रहने की अनुमति देता है। पढ़ाई पूरी होने पर छात्र जॉब सीकर वीजा भी ले सकते हैं। इसके लिए 75 से 100 यूरो यानी 6,600 से 8,800 रुपये का शुल्क देना होता है। यह वीजा जर्मनी में छह महीने तक रहने की अनुमति देता है। नौकरी मिल जाने पर जॉब कैटेगरी के अनुसार प्रोफेशनल वीजा आदि लेना होता है।

ऑस्ट्रेलिया है लोकप्रिय डेस्टिनेशन

- ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए सपनों का देश बन चुका है। बीते वर्षों में यहां जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जून 2024 तक ऑस्ट्रेलिया में 8,39,199 अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे, जिसमें भारतीय छात्रों की संख्या 17 फीसदी थी। वर्ष 2023-24 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में 1,22,391 भारतीय छात्र थे। वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 1,39,038 हो गई।
- आस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों को पढ़ने के लिए स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसके लिए 710 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 39,000 रुपये) शुल्क व कुछ अन्य शुल्क जैसे-मेडिकल और पुलिस चेक फीस, आइइएलटीएस, टॉफेल या पीटीई परीक्षा शुल्क देना होता है। इसी प्रकार यहां नौकरी करने के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा, जिसका शुल्क 1895 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 1.05 लाख रुपये) है, स्किल्ड इंडिपेंडेंट वीजा-यह एक स्थायी निवास वीजा है। एंप्लॉयर स्पॉन्सर वीजा यह एक अस्थायी वीजा है, जो किसी ऑस्ट्रेलियाई कपनी द्वारा प्रायोजित होने पर मिलता है आदि की आवश्यकता पड़ती है।

ब्रिटेन में छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर

हाल ही में राज्यसभा में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े के अनुसार, ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) में 1,85,000 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया है। नई लेबर सरकार के तहत यूके अपनी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को संशोधित कर रहा है। इसी के साथ वहां के इंटरनेशनल एजुकेशन चैंपियन सर स्टीव स्मिथ ने भारत को 'पूर्ण प्राथमिकता' देश घोषित करके भारतीय छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराइ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी साल यूके ने दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा फिर से शुरू किया है, जिसे ग्रेजुएट वीजा के नाम से भी जाना जाता है। यह वीजा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को डिग्री पूरी करने के बाद अपने यहां जॉब ढूंढने की अनुमति देता है। यह नीति भारतीय छात्रों के लिए करियर के अवसरों को नए पंख और आशा प्रदान करती है। इस वीजा के लिए आवेदक को किसी नियोक्ता की ओर से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप की आवश्यकता नहीं होती।

आशाजनक भविष्य का देश बनता न्यूजीलैंड

- न्यूजीलैंड भी भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा का आशाजनक केंद्र बन कर उभरा है। एजुकेशन न्यूजीलैंड के आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में वर्ष 2024 में जनवरी से अगस्त के बीच यहां दाखिलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आइडीपी एजुकेशन की रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2023 में यह संख्या 7930 थी, वहीं 2024 के पहले आठ महीनों में बढ़कर छात्रों की संख्या 10,640 हो गई। अंग्रेजी भाषी वातावरण, पारदर्शी नीतियों एवं भारतीय संस्थानों के साथ बढ़ते संबंधों के कारण न्यूजीलैंड को अब एक आशाजनक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। न्यूजीलैंड में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसका शुल्क 430 से 530 एनजीडी यानी 24 से 30 हजार रुपये के करीब है। साथ ही भारतीय पेशेवरों को यहां नौकरी के लिए पोस्ट स्टडी वर्क वीजा, एक्रेडिटेड एम्प्लॉयर वर्क वीजा, स्किल्ड माइग्रेट कैटेगरी रेजिडेंट वीजा आदि का विकल्प चुनना होगा।

जॉब अलर्ट

नैनीताल बैंक में भर्ती 2025

- **पद का नाम :** मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य प्रौद्योगिकी, अधिकारी (सीटीओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), एसोसिएट उपाध्यक्ष (आईटी)
- योग्यता : पदानुसार
- कुल रिक्तियां : 04
- अंतिम तिथि : 10-09-2025
- बेवासाइट :www.nainitalbank.co.in

इंडियन बैंक

- पद का नाम : डॉक्टर
- योग्यता : एमबीबीएस
- अंतिम तिथि : 07-10-2025
- वेबसाइट : indianbank.bank.in

यूपीएससी

- पद का नाम : इंजीनियरिंग सेवा
- पदों की संख्या : 474
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई, डिप्लोमा, एमएससी, इंजीनियरिंग
- अंतिम तिथि : 16-10-2025
- वेबसाइट : upsconline.nic.in

एसएससी दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल (मंत्रालयिक)

- पद का नाम : हेड कांस्टेबल
- पदों की संख्या : 509
- योग्यता :12वीं पास
- अंतिम तिथि : 20-10-2025
- वेबसाइट : ssc.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम : डीजी ईएमई एलडीसी, फायरमैन और अन्य
- पदों की संख्या : 194
- योग्यता : आईटीआई, 12वीं, 10 वीं
- अंतिम तिथि : 24-10-2025
- वेबसाइट : indianarmy.nic.in

यूसीड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

युवा अपना रजिस्ट्रेशन संस्थान की वेबसाइट पर करा सकते हैं

आईआईटी बांबे ने अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिजाइन (यूसीड) के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। यह रजिस्ट्रेशन 1 अक्टूबर से शुरू किए गए हैं। युवा संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट uceed.iitb.ac.in पर कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यदि तय समय पर युवा आवेदन नहीं कर पाएं हैं तो लेट फीस के साथ आवेदन करने की तिथि 7 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र को 2 जनवरी 2026 से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके बाद परीक्षा का आयोजन 18 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह भी जानकारी दी गई कि आवेदन करने के लिए आवेदक की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 2001 से पहले की नहीं होनी चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 1996 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

31
अक्टूबर निर्धारित की गई है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

18
जनवरी 2026 निर्धारित किया गया परीक्षा का आयोजन

अन्य जानकारियां

- संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में वही उम्मींदवार आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने 2025 या 2026 में पहली बार बारहवीं की परीक्षा दी हो। इसमें सभी वर्ग के परीक्षार्थी जैसे कॉमर्स, ह्यूमैनिटीज और साइंस के उम्मींदवार योग्य माने जाएंगे। ऐसे उम्मींदवार जिन्होंने 2024 में पहली बार कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दी है वे इस परीक्षा के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। यह परीक्षा देश के 27 शहरों में आयोजित कराए जाने की योजना है। यह परीक्षा आईआईटी में बैचलर ऑफ डिजाइन की डिग्री के लिए आयोजित की जाती है। फीस की बात की जाए तो आवेदन करने वाली युवतियों के लिए सभी वर्ग में 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। इसी तरह एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मींदवार के लिए भी 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। अन्य कैटैगरी के उम्मींदवारों के लिए 4 हजार रुपये फीस का निर्धारण किया गया है।

नई किताबें

विज्ञान ज्ञान विश्वकोश छह पुस्तकों का संग्रह

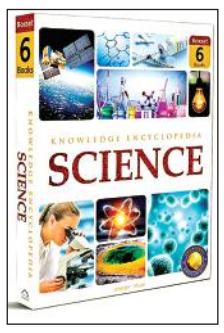

विकासवाद का सिद्धांत क्या है? रासायनिक अभिक्रियाएं कैसे होती हैं? मानव आंख केवल तीन रंगों को ही क्यों पहचान पाती है? विज्ञान के ज्ञान का छह विश्वकोशों का यह संग्रह बच्चों के लिए विज्ञान की आकर्षक दुनिया को जानने को बेहद महत्वपूर्ण विश्वकोश है। इस ज्ञानवर्धक पुस्तकों में सुस्पष्ट आरेख और कठिन शब्दों की विस्तृत शब्दावली सुखद दी गई, जिससे बच्चे आसानी से विज्ञान का ज्ञान व जानकारी ले सकते हैं। संग्रह में अच्छी तरह से लेबल की गई छवियां दी गई हैं। साथ ही युवा शिक्षार्थियों को शिक्षित और मनोरंजन करेगा। इसके अलावा एक मजबूत शब्दावली का निर्माण करता है।

एसएससी के लिए ऑल इन वन बुक

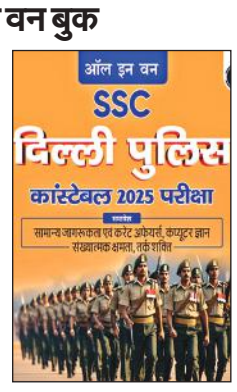

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) कांस्टेबल परीक्षा की तैयार के लिए पुस्तक हेल्पफुल है। इस पुस्तक में सर्वसमावेशी गाइडेंस और चैप्टर-वाइ सिद्धांत, समय बचाने वाले ट्रिक्स, अभ्यास और पिछले वर्षों के 15 हल किए गए प्रश्नपत्र (2020 और 2023) दिए गए हैं, जो आपको पूर्ण और प्रभावी तैयारी करने में मदद करती है। पुस्तक में पिछले वर्ष के हल किए गए प्रश्नपत्रों के साथ परीक्षा पैटर्न और प्रत्येक प्रश्न के लिए विस्तृत स्पष्टीकरण शामिल हैं। साथ ही पुस्तक में विस्तृत, स्टेप वाइज समाधानों के साथ सभी डाउट्स को दूर करने और जटिल समस्याओं को सुलझाने में स्पष्टता और आत्मविश्वास सुनिश्चित करने में मदद करती है। इसके अलावा पुस्तक में 2500 से अधिक प्रश्नों के विस्तृत प्रश्नों के माध्यम से अपनी तैयारी को मजबूत करें, जिनमें से प्रत्येक का गहन समाधान दिया गया है। वहीं पुस्तक में सामान्य जागरूकता के लिए प्रासंगिक और संक्षिप्त करेंट अफेयर्स के साथ डाटा दिया गया है।

सही रणनीति से पाएं एसएससी कांस्टेबल में सफलता

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी कांस्टेबल परीक्षा उन लोकप्रिय भर्ती परीक्षाओं में से एक है, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। एसएससी जीडी परीक्षा उन उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में प्रवेश का द्वार है जो कम उम्र में ही वर्दी की नौकरी शुरू करना चाहते हैं। सीएपीएफ में नियुक्ति पाने के लिए उम्मीदवारों को एसएससी जनरल ड्यूटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। एसएससी जीडी कांस्टेबल कोई बहुत कठिन परीक्षा नहीं है, परीक्षा पास करने के लिए आपको सही तैयारी रणनीति और भरपूर अभ्यास की आवश्यकता होती है। एसएससी जीडी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2025 की तैयारी के लिए आपको सही रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए छात्रों को एसएससी जीडी में दिए गए विषय के प्रत्येक भाग की पूरी तैयारी करनी चाहिए ताकि वे परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें। आज हम आपको 3 महीने की रणनीति के बताते हैं, जिसको फॉलो करके आप बिना किसी कोचिंग के परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं और पहली बार में ही परीक्षा पास कर सफलता भी हासिल कर सकते हैं।

तीन महीने की तैयारी योजना

- पहला महीना- बेस मजबूत करना
- लक्ष्य- सभी विषयों की मूलभूत समझ और अभ्यास शुरू करना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह (6-7 बजे)- दौड़ लगाएं + शारीरिक व्यायाम (पीईटी तैयारी)
- सुबह (8-10 बजे)- गणित (2 घंटे -बुनियादी विषय, जैसे प्रतिशत, अनुपात, समय-कार्य)
- दोपहर (1-2 बजे)- रीजनिंग (पजल, सीरीज, कोडिंग-डीकोडिंग)
- शाम (4-6 बजे)- जीके/जीएस (इतिहास, भूगोल, संविधान, विज्ञान)
- रात (8-9 बजे)- हिंदी/अंग्रेजी (ग्रामर+ शब्दार्थ)
- सोने से पहले- करंट अफेयर्स (15-20 मिनट)
- हफ्ते में एक दिन (रविवार)- 1 मॉक टेस्ट + गलतियों का विश्लेषण
- दूसरा महीना (प्रैक्टिस और स्पीड)
- लक्ष्य- स्पीड और सटीकता बढ़ाना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- दौड़ + फिजिकल फिटनेस
- गणित- शॉर्टकट ट्रिक्स और क्विज़
- रीजनिंग- रोजाना 25-30 प्रश्न
- जीके/जीए- भारत का इतिहास, संविधान, करंट अफेयर्स पर विशेष ध्यान
- अंग्रेजी/हिंदी- रोज एक पैसेज और व्याकरण अभ्यास
- हर शाम- 1 सेक्शनल टेस्ट (छोटा टेस्ट - केवल गणित/रीजनिंग/जीके/हिंदी)
- सप्ताह में 2 फुल मॉक टेस्ट
- तीसरा महीना (रिवीजन और मॉक टेस्ट - फाइनल टच)
- लक्ष्य- एग्जाम जैसी तैयारी और आत्मविश्वास बढ़ाना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- शारीरिक अभ्यास
- दिनभर- सभी विषयों का रिवीजन (नए टॉपिक न पढ़ें)
- रोज़- 1 फुल मॉक टेस्ट (90 मिनट) + विश्लेषण
- कमजोर टॉपिक पर फोकस
- करंट अफेयर्स की अंतिम तैयारी परीक्षा से पहले 10-15 मॉक टेस्ट हल करें।

अतिरिक्त टिप्स

समय प्रबंधन

- प्रति प्रश्न औसतन 50 सेकंड से कम समय लगाएं।
- शारीरिक तैयारी- रोज 5-6 किमी दौड़ और स्टैमिना पर ध्यान दें।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,983.31	24,836.30
बढ़त	715.69	225.20
प्रतिशत में	0.89	0.92

सोना- 1,18,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,45,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

वाणिज्यिक एलपीजी 15.50 रु. महंगा हुआ

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बुधवार को 3% से अधिक और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 15.50 रुपये प्रति सिलेंडर (19 किग्रा) की वृद्धि की गई। तेल कंपनियों ने होटल व रेस्त्रां में प्रयोग होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत बढ़ा दी। दिल्ली में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब 1,595.50 रुपये है।

वित्तीय स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता आर्थिक वृद्धि में बाधा न बनें नियम

आरबीआई गवर्नर ने की बैंकिंग नियमों में राहत व कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को बैंकिंग नियमों में राहत और कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा के बीच कहा कि वित्तीय स्थिरता केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित करने को सजग है कि नियमों का पालन आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न डाले। मुझे नहीं लगता कि आपको इन उपायों को किसी तरह की शिथिलता के रूप में देखना चाहिए। हमारे लिए स्थिरता सर्वोपरि है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि वृद्धि को कोई रोक न लगे। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग गतिविधियों में विस्तार, अधिग्रहण वित्तपोषण, आईपीओ के लिए ऋण सीमा बढ़ाने, बुनियादी ढांचा वित्त के लिए एकल उधारकर्ता सीमा में बदलाव और शहरी सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंसिंग खोलने के उपाय किए गए हैं। मल्होत्रा ने इन कदमों को बेहद संतुलित, सोची-समझी और विचारपूर्ण कार्रवाई करार दिया।

उन्होंने बताया कि कई उपाय ऐसे हैं, जहां आरबीआई ने पहले किसी गतिविधि को अनुमति दी थी लेकिन अब उसे और विस्तार दे दिया गया है। इनमें अधिग्रहण वित्त और शेयरों के एवज में ऋण की सीमा बढ़ाने का कदम शामिल है। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि रिजर्व बैंक का उद्देश्य बैंकिंग कारोबार का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना है। मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि अब नियमों की समीक्षा हर पांच वर्ष में होगी। परिस्थितियां बदलती हैं, समय बदलता है, आवश्यकताएं बदलती हैं, इसलिए नियम स्थिर नहीं रह सकते। इसलिए हम अपने नियमों की समीक्षा करते रहेंगे। बड़ी कंपनियों की बैंकों के बहीखाते में हिस्सेदारी बीते दशक में 10% तक कम हो चुकी है। हालांकि नियमों में छूट के बावजूद रिजर्व बैंक के पास वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने को पर्याप्त साधन हैं। डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि शेयरों के खिलाफ ऋण की 20 लाख रुपये की सीमा 1998 में तय हुई थी और अब इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का फैसला मुद्रास्फीति के लिहाज से कोई बड़ी वृद्धि नहीं है।

मौद्रिक नीति की समीक्षा

दरों में कटौती की गुंजाइश, वैश्विक अनिश्चितताओं से यथास्थिति जरूरी

संजय मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में कमी ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं और मौद्रिक उपायों का पूरा लाभ न मिलने से केंद्रीय बैंक ने दरों को यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। मुद्रास्फीति में 1% से अधिक की गिरावट व इसके पूर्वानुमान ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है। जून में उन्होंने कटौती के लिए सीमित गुंजाइश शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि बुधवार को कहा कि कटौती की गुंजाइश मौजूद है। मल्होत्रा ने कहा कि 1% से ज्यादा की कटौती का लाभ न मिलने, वैश्विक अनिश्चितताओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के प्रभाव को लेकर समिति ने यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना है।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं: मल्होत्रा

संजय मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्रीय बैंक एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसके तहत वित्तीय संस्थानों को मासिक किस्त भुगतान में चूक की स्थिति में ऋण लेकर खरीदे गए मोबाइल फोन को डिजिटन तरीके से 'लॉक' करने की अनुमति मिल पाएगी। यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव होने पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई लेनदेन में काफी वृद्धि हो गई है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के फायदे व नुकसान दोनों पर गौर किया जा रहा है। जैसा कि गवर्नर ने बताया कि डिजिटल तरीके से फोन को 'लॉक' करने का मामला विचाराधीन है। ग्राहकों के अधिकारों व जरूरतों, निजी सूचना की गोपनीयता एवं कर्ज देने वालों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के मामले में दोनों पक्षों के फायदे व नुकसान हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर गौर कर रहे हैं और बाद में इस पर कोई निर्णय लेंगे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट पर मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक किसी स्तर को लक्षित नहीं करता, बल्कि केवल अनावश्यक अस्थिरता को रोकने का प्रयास करता है। मल्होत्रा ने भरोसा जताया कि मूल्य स्थिरता के साथ उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जारी रहेगी तथा निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि होगी।

मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति अनुमान 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया गया।
- जीएसटी सुधारों का मुद्रास्फीति और वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- अमेरिकी शुल्क का निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा।
- सेवाओं का मजबूत निर्यात, धन प्रेषण से चालू खाते का घाटा स्थिर रहेगा।
- विदेशी मुद्रा भंडार 700.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।
- आरबीआई रुपये पर कड़ी नजर रख रहा है, जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएगा।
- बैंक ऋण वृद्धि, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कम है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।
- बैंकों के लिए संशोधित बेसल-3 पूंजी पर्याप्तता मानदंड एक अप्रैल, 2027 से प्रभावी होंगे।
- आरबीआई बैंकों को अधिग्रहणों के वित्तपोषण के लिए रूपरेखा उपलब्ध कराएगा।
- आरबीआई ने शेयरों के बदले ऋण देने की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा।
- आईपीओ वित्तपोषण के लिए ऋण सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की जाएगी।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन मानदंडों को और सरल बनाने का प्रस्ताव।
- बैंक भूटान, नेपाल और श्रीलंका के प्रवासी नागरिकों को सीमा पार व्यापार के लिए रुपये में ऋण देंगे।
- एमपीसी की अगली बैठक 3-5 दिसंबर को होगी।

सोना-चांदी से निवेशक मालामाल

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : सोने-चांदी के बढ़ते भाव ने सराफा बाज़ार में खासी हलचल मचा दी है। एक महीने में सोने के भाव 14 हजार तो चांदी के 25 हजार बढ़े हैं। बुधवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,21,000 रुपये का 10 ग्राम तो चांदी 1,50,100 रुपये किलो की नई ऊंचाई पर पहुंची, जो रिकार्ड है। निवेशकों के सुनहरे दिन चल रहे हैं।

बीते 1 सितंबर को सोना 1,07,150 और चांदी 1,26,300 रुपये थी। नौ महीने में ही सोने की कीमत में लगभग 41 हजार और चांदी के दाम में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है निवेशक बड़ा मुनाफा काट रहे हैं। इतना रिटर्न तो किसी भी बचत योजना में भी नहीं मिला है। दक्षिण कानपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत गुप्ता का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू होने के बावजूद आभूषणों की बिक्री में जबरदस्त गिरावट है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर ने बताया कि दीवाली के मद्देनजर किफायती, हल्के डिजाइनर गहनों की रेंज तैयार की जा रही है।

- सोना और चांदी आल टाइम हाई रेट पर पहुंचे
- त्योहारी मौसम में भी आभूषणों की बिक्री 80 फीसदी तक गिरी
- खरीदार से ज्यादा बेचने वाले तैयार हो रहे हल्के डिजाइनर गहने

तेजी के कारण

डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, विश्व की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, टैरिफ वॉर की नीतियां, युद्ध की आशंकाएं, त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग और केंद्रीय बैंकों के जरिये और निवेश के मद्देनजर जमकर खरीद भाव बढ़ने के कुछ कारण हैं।

दोनों धातुओं की चाल देख सराफा बाजार के दिग्गज विशेषज्ञ भी भाव के अनुमान में फेल नजर आ रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि निवेशकों की चांदी है। इतना मुनाफा देख खूब निवेश किया जा रहा है। -रामकिशोर मिश्र, मंत्री, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन

जीएसटी संग्रह 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ पर

नई दिल्ली। जीएसटी संग्रह सितंबर में 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा। दरों को युक्तिसंगत बनाने से बिक्री में वृद्धि से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 9.1% और मासिक आधार पर 1.5 % की वृद्धि दर्ज की गई।

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर 2024 में 1.73 लाख करोड़ और अगस्त 2025 में 1.86 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों व मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सितंबर 2025 में जीडीपी 6.8% बढ़कर 1.36 लाख करोड़ हो गया जबकि आयात कर 15.6% बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी 40.1% बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध जीएसटी संग्रह सितंबर 2025 में 1.60 लाख करोड़ रहा जो सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक है।

8 दिन बाद लौटी रौनक सेंसेक्स 716 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

रेपो दर को स्थिर रखने और वृद्धि अनुमान बढ़ाने के रिजर्व बैंक के कदम से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को काफी उत्साह रहा और यह आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। सेंसेक्स 716 अंक उछल गया जबकि निफ्टी में 225 अंकों की तेजी रही। विश्लेषकों ने कहा कि मौद्रिक घोषणा के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी स्थानीय निवेशकों की धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का सेंसेक्स 715.69 अंक उछलकर 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 225.20 अंक चढ़कर 24,836.30 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में 5.54% की बढ़त रही। कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। हालांकि, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट आई। वहीं, स्मालकैप 1.16% और मिडकैप में 0.91% की तेजी रही।

- वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को दी मजबूती

बीएसई की 2,797 कंपनियों में रही तेजी

बैंकिंग खंड में 1.44, दूरसंचार 1.26 और वित्तीय सेवा खंड 1.22% चढ़ा। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,797 कंपनियों में तेजी रही, जबकि 1,360 शेयरों में गिरावट व 134 अपरिवर्तित रहीं। एशिया में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक रहा, जबकि जापान के निक्की में गिरावट आई। यूरोप के बाजार बढ़त में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, एफआईआई ने मंगलवार को 2,327.09 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि डीआईआई ने 5,761.63 करोड़ के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा के पीछे लोगों का स्नेह

सरकार्यवाह होसबाले ने कहा- विरोध के बावजूद संघ ने सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों से विरोध के बावजूद, जनता के स्नेह के कारण सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया है। होसबाले की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के कुछ मिनट पहले आई। उन्होंने इस कदम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह संघ के निःस्वार्थ कार्यों को मान्यता प्रदान करने के समान है।

होसबाले ने कहा कि संघ और उसके स्वयंसेवक 1925 में विजयादशमी पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना करने के बाद से ही व्यक्तियों के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के मिशन पर निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। वह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस के दूसरे नंबर के पदाधिकारी ने कहा कि विदेश में रहने वाले स्वयंसेवकों सहित सभी स्वयंसेवकों की ओर से, मैं इसके लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। होसबाले ने कहा कि राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना भारत में एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस परंपरा को जारी रखा है। मेरा मानना है कि इस तरह संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत के लोगों की ओर से संघ के कार्यों को मान्यता दी गई है। होसबाले ने आरएसएस के 100 वर्षों को दिलचस्प यात्रा बताया और कहा कि देश के लोगों द्वारा संघ के विचारों को मिले प्यार, समर्थन और स्वीकृति से ही संघ इतनी दूर तक पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि संघ को हर तरह के विरोध, संघर्ष और उदासीनता का सामना करना पड़ा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने लोगों की आत्मीयता, स्नेह, समर्थन और सहयोग का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि आज देश संघ को देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के प्रभावशाली व सफल प्रतीक के रूप में देखता है। होसबाले ने कहा कि कुछ वर्षों में हमारे कार्यों की सफलता से देश की तस्वीर बदली है। हमें देश के भीतर और वैश्विक मंच पर भी भारत के विमर्श को मजबूत करना होगा। दुनिया भर में, भारत के बारे में भारत का विमर्श सकारात्मक और सत्य पर आधारित होना चाहिए।

नई दिल्ली में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

गोलवलकर ने चुनौती के समय संभाली थी कमान

नागपुर। माधव सदाशिवराव गोलवलकर आरएसएस के सरसंघचालक पद के लिए एकमात्र विकल्प नहीं थे, लेकिन उन्हें इस पद पर चुना गया और उन्होंने कठिन दौर में संगठन का नेतृत्व किया और उसे आकार दिया। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाठक ने ऐसा दावा किया है। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जून 1940 में अपनी मृत्यु से पहले जंतुविज्ञान के प्रोफेसर गोलवलकर को अपना उत्तराधिकारी चुना था। आरएसएस से संबद्ध समाचार पत्र 'तरुण भारत' के पूर्व संपादक पाठक ने कहा कि गोलवलकर का चुनाव आश्चर्यजनक था। उस समय 34 वर्ष के रहे गोलवलकर 1925 में संघ की स्थापना के बाद से संगठन से तब तक जुड़े नहीं थे।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का देशभर में मनाया जाएगा जश्न

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न पूरे भारत में मनाने का बुधवार को फैसला किया। संविधान सभा ने बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मंत्री ने कहा कि आज मंत्रिमंडल की बैठक में एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले गीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष का जश्न पूरे देश में मनाया जायेगा। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच किया जाएगा।

धोखाधड़ी व फर्जी प्रमाणपत्र बर्दाश्त नहीं : यूपीएससी

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने बुधवार को कहा कि किसी भी सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी और फर्जी प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल करना 'अस्वीकार्य' है और इससे उनके करियर को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। अपनी तरह के पहले वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में, उन्होंने अभ्यर्थियों से उस रास्ते पर जाने से बचने को कहा जो कड़ी कार्रवाई का कारण बने, जिसमें यूपीएससी द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा में तीन साल तक शामिल होने पर रोक भी शामिल है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षाओं में धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं है। हमारी नीति कतई बर्दाश्त न करने की है और ऐसा होता है, तो कार्रवाई करेंगे। यूपीएससी प्रमुख ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर बात की, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने में कोचिंग सेंटर की उपयोगिता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन पूजा खेडकर द्वारा फर्जी प्रमाणपत्रों के इस्तेमाल का मुद्दा भी था। केंद्र ने पिछले साल खेडकर को प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया था, क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांगता आरक्षण का लाभ उठाकर अपना चयन सुनिश्चित किया था।

- वर्चुअल संवाद में अभ्यर्थियों से अजय कुमार ने किया संवाद

तेलुगू अभिनेत्री पर घरेलू सहायिका का उत्पीड़न करने का मामला दर्ज

हैदराबाद, एजेंसी

तेलुगू अभिनेत्री डिंपल हयाती और उनके पति के खिलाफ अपनी घरेलू सहायिका के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने, उसे परेशान करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ओडिशा की 22 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उसे दंपति उचित भोजन नहीं देते हैं, उसे गालियां देते हैं और धमकी देते हैं। इस महिला ने अभिनेत्री के घर पर 22 सितंबर से घरेलू सहायिका के तौर पर काम करना शुरू किया था। उसने आरोप लगाया कि दंपति ने उसका अपमान किया और गुस्से में यहां तक कह डाला कि 'मेरी जिंदगी (सहायिका की जिंदगी) उनके जूते के बराबर भी नहीं है। घरेलू सहायिका ने आरोप लगाया कि 29 सितंबर को जब उसने उनके अपमानजनक व्यवहार को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तो दंपति ने उसे धमकाया। उसने बताया, अभिनेत्री के पति ने मेरा फ़ोन छीन लिया, उसे जमीन पर पटक दिया और तोड़ दिया।

- ओडिशा की महिला ने भोजन नहीं देने, गालियां और धमकी देने का लगाया आरोप

एमबीबीएस छात्रा के उत्पीड़न में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के सहायक प्रोफेसर को एमबीबीएस छात्रा के शारीरिक उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि 26 सितंबर को दोपहर 12 बजकर नौ मिनट पर जीटीबी एन्क्लेव थाने को एक महिला की ओर से नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के अनुसार, दिलशाद गार्डन स्थित जीटीबी अस्पताल परिसर में उसका शारीरिक उत्पीड़न किया गया। डीसीपी ने बताया कि एक मेडिकल छात्रा शिकायतकर्ता ने सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शाकिर नईम पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

जुबिन का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार

गायक जुबिन गर्ग की मौत का मामला

- कोर्ट ने 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा

गुवाहाटी, एजेंसी

सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को बुधवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पर विभिन्न धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को गुवाहाटी लाया गया और कामरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दुर्गा पूजा से अदालतें बंद होने से सुनवाई न्यायाधीश के आवास पर हुई। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गायक की मौत की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। जांच को गठित एसआईटी के प्रमुख गुप्ता ने कहा कि शर्मा और महंत दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि नोटिस के आधार पर आव्रजन अधिकारियों ने सिंगापुर से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही महंत को हिरासत में लिया और असम पुलिस को सौंप दिया। शर्मा के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने उसकी लोकेशन की निगरानी की जिससे उसके दिल्ली और राजस्थान में होने का पता चला।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत और उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा।

खांसी के सिरप से मप्र में छह व राजस्थान में एक बच्चे की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

खांसी का सिरप पीने से मध्यप्रदेश में छह और राजस्थान में एक बच्चे की मौत के बाद बीमारियों की निगरानी करने वाली सरकार की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने दोनों राज्यों के अस्पतालों और अन्य स्थानों से दवाओं के नमूने इकट्ठे किए हैं। कथित तौर पर संदूषित खांसी रोधी सिरप की वजह से कई बच्चों के गुर्दे खराब हुए और उनकी मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि किसी भी संक्रामक रोग की आशंका को समाप्त करने को नमूनों की जांच होगी। जांच के नतीजे आने के बाद, उन्हें राज्य औषधि प्रशासन से साझा किया जाएगा। राज्य औषधि प्रशासन भी दवा के नमूनों की जांच कर रहे हैं और जांच के नतीजों का इंतजार है। मध्यप्रदेश और राजस्थान में हाल में हुई बच्चों की मौतों को खांसी रोधी सिरप से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके चलते जांच शुरू हुई और संबंधित दवाओं के वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक एनसीडीसी की टीम ने नमूने एकत्र करने के लिए घटनास्थलों का दौरा किया। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में खांसी रोधी सिरप से गुर्दे खराब होने से छह बच्चों की मौत हो गई, जबकि राजस्थान के सीकर जिले में भी एक बच्चे की जान चली गयी। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने सिरप के 19 बैचों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

- एनसीडीसी ने अस्पतालों में इकट्ठे किए दवाओं के नमूने

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़े अपमान की बात : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सात वैश्विक संघर्षों को खत्म कराने में भूमिका निभाई है, इसके बावजूद अगर नोबेल पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाता है तो यह अमेरिका के लिए बड़े अपमान की बात होगी।

गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की योजना का जिक्र करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों को अपने संबोधन में कहा, मुझे लगता है, हमने इसे सुलझा लिया है। अब, हमास को सहमत होना होगा और अगर वे नहीं मानते, तो उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। सभी अरब, मुस्लिम राष्ट्र

● कहा- मैंने 7 संघर्ष खत्म कराए पर नोबेल किसी लेखक को मिलेगा

इससे सहमत हैं। इजराइल सहमत है। यह एक अद्भुत बात है कि सभी साथ आ गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर सोमवार को घोषित गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की उनकी योजना कामयाब हो जाती है तो उन्होंने कुछ ही महीनों में आठ संघर्षों को सुलझा लिया है।

ट्रंप ने कहा, यह शानदार है। कोई ऐसा कभी नहीं कर पाया। फिर भी क्या आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा, बिल्कुल नहीं। वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ भी नहीं किया। वे इसे ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने डोनाल्ड ट्रंप के विचारों और युद्ध को सुलझाने के लिए क्या किया गया, इस पर कोई किताब लिखी है, जी हां, नोबेल किसी लेखक को मिलेगा लेकिन देखते हैं क्या होता है।

उन्होंने कहा, यह हमारे देश के लिए बड़े अपमान की बात होगी। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि यह देश को मिले क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं हुआ। इस बारे में सोचिएगा। मुझे लगता है कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की योजना सफल होगी। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा।

नोबेल पुरस्कार का इतिहास

... और ट्रंप की चाहत

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार वैसे तो हमेशा चर्चा में रहते हैं लेकिन हाल फिलहाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी ने इसे और चर्चित बना दिया है। एक ताजा बयान में ट्रंप ने दुनिया में सात संघर्ष रुकवाने का दावा करते हुए कहा है कि अगर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार न दिया गया तो यह अमेरिका का बड़ा अपमान होगा, ट्रंप के इस दावे को इस पुरस्कार के राजनीतिकरण और दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस हद तक कोशिश के बावजूद उन्हें इस बार शांति का नोबेल प्राइज मिलने की संभावना न के बराबर मानी जा रही है। वजह बताई जा रही है कि उनकी उम्मीदवारी न तो प्रक्रियागत है, न ही समय से पूरी हुई है। हालांकि कई देशों की ओर से उन्हें जरूर नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हर साल अक्टूबर में होती है, लिहाजा कुछ ही दिन बाद पता चल जाएगा कि ट्रंप की कोशिशें कितनी कामयाब हो पाईं।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से शुरुआत हुई थी, उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति इसके लिए दान कर दी थी।
- वसीयत के मुताबिक दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानवता की सबसे बड़ी सेवा की हो।
- पहला नोबेल 1901 में प्रदान किया गया था, यह पुरस्कार हर साल 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

पुरस्कार की श्रेणियां

नोबेल छह श्रेणियों में दिए जाते हैं। शुरू में भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान या चिकित्सा साहित्य और शांति के लिए यह पुरस्कार दिया जाता था। सन् 1968 में इनमें आर्थिक विज्ञान भी जोड़ दिया गया।

सबसे ज्यादा पुरस्कार

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 400 से ज्यादा नोबेल पुरस्कार दिए गए हैं, इस कारण वह शीर्ष पर है।
- यूनाइटेड किंगडम 137 पुरस्कारों के साथ दूसरे, जर्मनी 111 पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर।
- फ्रांस लगभग 71 पुरस्कारों के साथ चौथे स्थान, स्वीडन 32 पुरस्कारों के साथ पांचवें स्थान पर।

अब तक कितने विजेता

सन् 1901 से 2024 के बीच पांच नोबेल और आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार 627 बार 1,012 लोगों और संगठनों को दिए गए।

ऐसे होता है चयन

- विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नोबेल विजेता जैसे योग्य लोग उम्मीदवारों को नामांकित करते हैं। इसका विवरण 50 साल तक गुप्त रखा जाता है।
- प्रत्येक क्षेत्र में पुरस्कार के लिए एक अलग समिति होती है। ये समितियां प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करती हैं और प्रारंभिक आधार पर चयन करती हैं।

पुरस्कारों पर प्रमुख विवाद

- एक स्वीडिश सांसद ने 1939 में व्यंग्य के रूप में एडोल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर दिया था, जिसे बाद में नामांकन वापस ले लिया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार न दिया जाना बड़े विवाद का मुद्दा बना रहा। उन्हें कई बार नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला।
- वियतनाम युद्धविराम के लिए हेनरी किसिंजर को दिया गया शांति पुरस्कार विवादित रहा, उन पर कंबोडिया पर बमबारी और तानाशाहों के समर्थन का आरोप था।
- यासर अराफात को इजराइली नेताओं के साथ शांति प्रयासों के लिए पुरस्कार मिला था, लेकिन कुछ लोग उनकी सशस्त्र गतिविधियों के कारण इससे असहमत थे।
- साहित्य पुरस्कार के लिए आदर्शवादी मापदंड की व्याख्या को लेकर शुरू से ही कई विवाद रहे हैं, जिससे कई बार विजेताओं के चयन पर सवाल भी उठे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

इथियोपिया: निर्माणाधीन गिरजाघर ढहा, 25 मरे

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन गिरजाघर के ढह जाने से 25 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना बुधवार को अमहारा में मेनजार शेनकोरा अर्रेती मरियम गिरजाघर में उस समय हुई, जब लोग सेंट मैरी के वार्षिक समारोह में एकत्र हुए थे। एक स्थानीय अस्पताल ने बताया कि पीड़ितों में कुछ बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं।

अफगानिस्तान में इंटरनेट प्रतिबंध नहीं

इस्लामाबाद। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में इंटरनेट पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाए जाने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि पुराने फाइबर ऑप्टिक केबल खराब हो गए हैं और उन्हें बदला जा रहा है। यह घोषणा संचार ब्लैकआउट पर तालिबान का पहला सार्वजनिक बयान है जिसके कारण बैंकिंग, वाणिज्य और विमानन क्षेत्र को बाधित हुए है। पिछले महीने, कई प्रांतों ने अनैतिकता से निपटने के लिए इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की थी।

फेडरल रिजर्व गवर्नर बनी रहेंगी लिसा कुक

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लिसा कुक को फिलहाल फेडरल रिजर्व गवर्नर बने रहने की अनुमति दे दी तथा उन्हें केंद्रीय बैंक से तत्काल हटाने संबंधी ट्रंप प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया। एक अहस्ताक्षरित आदेश में, कोर्ट ने कहा कि वह जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कुक को फेड बोर्ड से हटाने के अनुरोध पर दलीलों को सुनेगा।

फौरन गाजा खाली करें वर्ना आतंकवादी मानेंगे

युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास का जवाब आने से पहले इजराइल की फिलिस्तीनियों को चेतावनी

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बुधवार को शेष फिलिस्तीनियों को गाजा शहर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि यह उनके लिए 'अंतिम अवसर' है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शहर में रुकेंगे, उन्हें आतंकवादियों का समर्थक माना जाएगा और उन्हें इजराइल के नए हमलों का सामना करना पड़ेगा।

इस बीच गाजा के स्थानीय अस्पतालों ने जानकारी दी कि इजराइल के बुधवार को किए गए हमलों में 16 फिलिस्तीनी मारे गए। ये घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को इजराइल में किए गए हमले के बाद शुरू युद्ध को समाप्त कराने के लिए 20 सूत्र नया प्रस्ताव पेश करने के बाद हुए हैं। फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पिछले महीने इजराइल के गाजा पर कब्जा करने के लिए शुरू किए गए बड़े हमले के बाद लगभग चार लाख फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं लेकिन हजारों लोग अब भी वहां हैं, जिनमें से कई इतने कमजोर हैं कि दक्षिणी हिस्से में स्थित शिविरों तक नहीं जा सकते।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह उन गाजा निवासियों के लिए अंतिम अवसर है जो दक्षिण की ओर जाना चाहते हैं और हमास आतंकवादियों को गाजा शहर में अलग-थलग छोड़ना चाहते हैं। जो लोग गाजा में रहेंगे उन्हें आतंकवादी या आतंकवाद समर्थक माना जाएगा।

इस बीच इजराइल ने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई बुधवार को भी जारी रखी, इसमें कम से कम 16 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक स्कूल में शरण ली हुई थी।

इजराइल के शहर तेल अवीव में हजारों लोगों ने बंधकों की रिहाई और तुरंत युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

माफी मांगने के बाद भी नेतन्याहू को झटका, ट्रंप ने जारी किया आदेश- भविष्य में कतर पर किसी भी हमले को माना जाएगा अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ऊर्जा संपन्न देश कतर की रक्षा के लिए अमेरिकी सैन्य कार्रवाई सहित विभिन्न कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। 'व्हाइट हाउस' की वेबसाइट पर बुधवार को उपलब्ध इस आदेश की विषयवस्तु ट्रंप द्वारा कतर के लोगों को आश्वस्त करने का एक और उपाय माना जा रहा है, क्योंकि कुछ दिन पहले इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर कतर पर अचानक हमला किया था। आदेश में दोनों देशों के घनिष्ठ सहयोग और साझा हित का हवाला देते हुए बाहरी हमले के विरुद्ध कतर की रक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी देने का संकल्प जताया गया है। आदेश में कहा गया है, अमेरिका कतर के क्षेत्र, संप्रभुता या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर किसी भी सशस्त्र हमले को अमेरिका की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा मानेगा। इसमें कहा गया, ऐसे हमले की स्थिति में अमेरिका अपने और कतर के हितों की रक्षा करने सभी वैध और उचित कदम उठाएगा जिसमें राजनयिक, आर्थिक और, यदि आवश्यक हो तो सैन्य कार्रवाई भी शामिल हैं। यह आदेश इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सोमवार को वाशिंगटन यात्रा के दौरान आया। 'व्हाइट हाउस' ने बताया कि इस यात्रा के दौरान नेतन्याहू ने उस हमले पर गहरा खेद व्यक्त किया, जिसमें कतर के सुरक्षा बलों के एक सदस्य सहित छह लोग मारे गए थे।

ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने अब तक नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश 20-सूत्रीय शांति योजना पर अबतक हमास ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच कतर, मिस्र और तुर्की ने हमास से अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा में युद्धविराम की योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया है। पोप लियो ने भी हमास की ओर से सात अक्टूबर 2023 को बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के साथ तुरंत युद्धविराम की अपील दोहराई है। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन राशद ने दोहा में सोमवार की रात हमास नेताओं के आगे ट्रंप की योजना प्रस्तुत की थी। अल थानी ने कहा कि हमास को इससे बेहतर समझौता नहीं मिलेगा और विश्वास जताया कि ट्रंप वास्तव में युद्ध को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। मंगलवार को अल थानी और हसन राशद फिर हमास सदस्यों से मिले। इस बार तुर्किए के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन भी साथ थे। हालांकि हमास के नेताओं ने अभी ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच पोप लियो ने भी मंगलवार देर रात केस्टल गेंडोल्फो स्थित अपने पैतृक निवास से प्रस्थान करते हुए युद्ध को समाप्त करने की योजना को लेकर आशा व्यक्त की।

● कतर, मिस्र और तुर्किए ने समझौता मानने की अपील की

झाड़ू-पोंछा करने वाली मां के बेटे ने ब्रिटेन में जीता एक लाख अमेरिकी डॉलर का ग्लोबल स्टूडेंट अवार्ड

लंदन। गरीबी में पले-बढ़े 18 वर्षीय छात्र/अन्वेषक आदर्श कुमार को बुधवार को लंदन में एक समारोह में एक लाख अमेरिकी डॉलर के 'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025' का विजेता घोषित किया गया। आदर्श को 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 नामांकनों और आवेदनों में से इस वार्षिक पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार ऐसे असाधारण छात्र को दिया जाता है जिसने शिक्षा और समग्र समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला हो।

बिहार के चंपारण में जन्मे आदर्श का पालन-पोषण अकेले उनकी मां ने किया है। उनकी मां ने आदर्श की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम किया। आदर्श जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) में 30 लाख रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले छात्र भी हैं और अब वह दूसरों को भी इसे प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं। लंदन में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आदर्श ने कहा, यह पुरस्कार जीतना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज जीतने से मुझे और ज्यादा मेहनत करने का आत्मविश्वास मिला है। दूसरों के लिए मेरा संदेश यही है : खुद वह बनिए जो आप देखना चाहते हैं। बदलाव पहले अपने अंदर से शुरू होना चाहिए और फिर दुनिया में। दुनिया उन लोगों का सम्मान करती है जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं, इसलिए कृपया बड़े सपने देखें।

लंदन में ट्रॉफी के साथ आदर्श कुमार।

महाराष्ट्र के स्कूल को मिलेगा ब्रिटेन में पुरस्कार

लंदन। महाराष्ट्र के खेड़ तालुका स्थित प्राथमिक स्कूल जिला परिषद प्राथमिकशाला जलिंदरनगर को लंदन में सर्वश्रेष्ठ स्कूल की श्रेणी में दिए जाने वाले '2025 वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज कम्युनिटी च्वॉइस अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार की स्थापना ब्रिटेन स्थित टी4 एजुकेशन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उन स्कूलों को मंच प्रदान करने के लिए की थी जो अपनी कक्षाओं के साथ बाहर भी छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। आदिवासी बहुल जिले के इस स्कूल को अपनी विषय अनुकूल प्रणाली, मिलजुल कर पढ़ने-पढ़ाने के मॉडल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण छात्र-नेतृत्व वाली शिक्षा प्रदान करके सरकारी स्कूल शिक्षा में क्रांति लाने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। अध्ययन अध्यापन के इस तरह के मॉडल में विभिन्न आयु वर्ग के छात्र एक-दूसरे के साथ पढ़ते हैं, एक दूसरे को पढ़ाते और सीखते हैं।

फिलीपींस में शक्तिशाली भूकंप से 69 लोगों की मौत

मनीला, एजेंसी

मध्य फिलीपींस में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 69 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार रात लगभग 10 बजे 6.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे सेबू प्रांत के बोगो शहर और आसपास के गांवों में कई मकान, नाइट क्लब और व्यापारिक इमारतें ढह गईं और इनके मलबे में कई लोग फंस गए, जिनकी संख्या अभी तक नहीं बताई गई है।

बचावकर्मी जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सेना के जवान, पुलिस और नागरिक स्वयंसेवकों को खोजी कुत्तों के साथ, जीवित बचे लोगों की खोज के लिए

● कई मकान और व्यापारिक भवन ढहे, तमाम लोग मलबे में दबे

तैनात किया गया है। भूकंप का केंद्र बोगो से लगभग 19 किमी उत्तर-पूर्व में था। बोगो सेबू प्रांत का एक तटीय शहर है, जिसकी आबादी लगभग 90,000 है और भूकंप से करीब आधी मौतें यहीं दर्ज की गई हैं।

यह भूकंप समुद्र के नीचे एक भ्रंश रेखा में गति के कारण पांच किमी की कम गहराई पर उत्पन्न हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, बोगो में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। रुक-रुक कर हो रही बारिश और क्षतिग्रस्त पुलों तथा सड़कों के कारण बचाव कार्य धीमा पड़ गया है।

इंडोनेशिया : स्कूल इमारत के मलबे में 91 से ज्यादा छात्र दबे

जकार्ता। इंडोनेशिया की आपद प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को कहा कि पूर्वी जावा प्रांत के सिदोअर्जो जिले में 29 सितंबर को एक स्कूल की इमारत ढहने के बाद 91 लोग फंस गए हैं। इनमें ज्यादातर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि कल शाम तक तीन छात्रों की मौत हो चुकी थी और 90 से ज्यादा घायल हो गए थे, 26 अस्पताल में भर्ती हैं। विभिन्न एजेंसियों के सैकड़ों बचावकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। भारी मशीनरी के इस्तेमाल से इमारत के ढहने की आशंका से बचावकर्मियों ने हाथ से खुदाई पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका में शटडाउन के साथ शुरू हुआ अनिश्चितता का दौर

करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका, बड़े पैमाने पर छंटनी की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सरकारी कार्यक्रम और सेवाएं जारी रखने को लेकर निर्धारित समय सीमा बुधवार को पूरी होने तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और संसद के बीच कोई समझौता न हो पाने के बाद शटडाउन (सरकारी वित्तपोषण पर रोक) शुरू हो गया, जिसके चलते अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो गया है।

शटडाउन के दौरान संघीय सरकार के लगभग 7,50,000 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका है। शटडाउन के दौरान कई कार्यालय बंद हो जाएंगे। शटडाउन के कारण शिक्षा, पर्यावरण और अन्य सेवाएं ठप पड़ जाएंगी। इसका असर पूरे देश में पड़ने की उम्मीद है। समय सीमा पूरी होने से पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम शटडाउन नहीं चाहते। हालांकि इस सप्ताह सांसदों से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करने वाले ट्रंप शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के बीच समझौते को लेकर बातचीत कराने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे थे। रिपब्लिकन सांसद ने बातचीत से इनकार कर दिया और ट्रंप को किसी भी बातचीत से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व का मजाक उड़ाते हुए एक कार्टूननुमा फर्जी वीडियो पोस्ट किया, जिसे व्यापक रूप से गैर गंभीर और नस्लवादी माना गया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन सांसद स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं, जिनपर डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चिंता जताई है।

शिक्षा विभाग में 87% कर्मचारी भेजे जाएंगे छुट्टी पर, काम ठप होने की आशंका

अमेरिकी शिक्षा विभाग में सरकारी वित्त पोषण रुकने से कामकाज ठप पड़ने की आशंका है। शिक्षा विभाग का कहना है कि बुधवार से शुरू हो रहे 'शटडाउन' के दौरान हालांकि उसके कई मुख्य कार्य जारी रहेंगे और संघीय वित्तीय सहायता जारी रहेगी, लेकिन छात्र ऋण भुगतान अब भी बकाया रहेंगे। वहीं, नागरिक अधिकारों से जुड़ी शिकायतों की जांच बंद हो जाएगी और विभाग नए संघीय अनुदान जारी नहीं करेगा। विभाग की एक आकस्मिक योजना के अनुसार, उसके लगभग 87 प्रतिशत कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा।

- प्रशासन ने संकेत दिया है कि शटडाउन से संघीय एजेंसियों में और भी पद समाप्त हो सकते हैं। पिछले शटडाउन में संघीय धन बहाली के बाद छुट्टी गए कर्मचारियों को बुला लिया गया था। इस बार व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर निकालने की धमकी दी है।
- मई में सदन की विनियोग समिति के समक्ष पेश हुईं शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने कहा कि इस साल की छंटनी ने उनके विभाग को कमजोर कर दिया है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

शटडाउन खत्म करने के लिए मतदान विफल लंबा खिंचेगा संकट

अमेरिका में बुधवार को शटडाउन शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त करने के लिए मतदान विफल हो गया, क्योंकि सीनेट में डेमोक्रेट सदस्य स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के लिए धन मुहैया कराने की मांग पर अड़े रहे। राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन सदस्य इस सब्सिडी के लिए वित्त पोषण करने से इन्कार कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक सांसद कुछ समय पहले पारित ट्रंप की 'मेडिकेड' कटौती को बदलना और कर क्रेडिट का विस्तार करना चाहते हैं जो 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' द्वारा स्थापित बाजारों के जरिए स्वास्थ्य बीमा लेने वाले लाखों लोगों के लिए प्रीमियम को अधिक किफायती बनाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 19.10 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

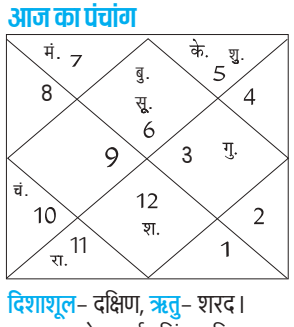

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 09.13 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज कारोबार में लाभ के बावजूद मन संतुष्ट नहीं रहेगा। यदि किसी लत या बुरी आदत से ग्रसित हैं, तो सावधान रहें। शरीर में स्फूर्ति की कमी हो सकती है। पारिवारिक जीवन अत्यंत आनंदमय रहेगा। हाथ में आए अवसरों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष — आज पिछले कई दिनों से चली आ रही तनावयुक्त परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करें। ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

मिथुन — आज आपको किसी कारणवश सहकर्मियों के ताने सुनने पड़ सकते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों को अपनी कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करना चाहिए। प्रेम-संबंधों को लेकर अधिक भावुक होने की आवश्यकता नहीं है।

कर्क — आज कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। माता-पिता आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी में परिस्थितियां अत्यंत अनुकूल रहेंगी। अचानक प्राप्त हुए अवसरों से मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे किसी कारण नाराज होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन में अनबन हो सकती है। इस समय को शांति और प्रेम पूर्वक बिताएं।

कन्या — आज आप अत्यंत तीव्र गति से अपने काम पूरे करेंगे। भविष्य की योजनाओं पर धन खर्च करेंगे। जीवनसाथी का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। बुरा समय खत्म होने से चैन की सांस लेंगे।

तुला — आज आपको सैद्धांतिक विचारों के साथ व्यावहारिक भी होना पड़ेगा। उच्च अधिकारियों के प्रति मन में नाराजगी रहेगी। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। आपको केवल अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। परीक्षा परिणाम में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज आप सभी कार्यों को एकाग्र होकर करेंगे। मित्रों की सहायता से आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। संतान को लेकर गौरव की अनुभूति होगी। इच्छित प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

धनु — आज व्यापार में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहने वाला है। आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए। अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग करेंगे। किसी पर भी सहज ही विश्वास न करें। अपने लक्ष्यों को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ रहें। पारिवारिक अशांति दूर होगी।

मकर — आज जटिल मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। प्रतिस्पर्धियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। परिवार के लोग आपको सहयोग देंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी कठिनाई का अनुभव करेंगे। अपने विचारों को संकीर्णता के दायरे में सीमित न करें। दूसरों के बजाय स्वयं के निर्णय को अधिक प्रधानता दें। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें। दिनचर्या अनियमित हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के दृष्टिकोण से आप अत्यंत भाग्यशाली रहने वाले हैं। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। आत्मविश्वास के कारण आप हर जगह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। जटिल समस्याओं का समाधान निकालने में सफलता मिलेगी।

सुडोकू-117

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2	6		4		
9						5		
			4				1	7
	3				8			4
		6				7		
1			7				9	
	4				3			8
		2			4			6
		5		7			4	

सुडोकू - 116 का हल

3	1	4	7	6	9	5	2	8
5	2	9	8	4	1	3	7	6
7	8	6	5	2	3	9	1	4
4	5	1	3	7	2	6	8	9
9	3	8	1	5	6	2	4	7
2	6	7	4	9	8	1	3	5
6	7	2	9	3	4	8	5	1
1	4	3	6	8	5	7	9	2
8	9	5	2	1	7	4	6	3

हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे। भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे।
-शुभमन गिल

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर ने चाइना ओपन जीता

बीजिंग : इटली के यानिक सिनर ने अमेरिकी युवा लर्नर टियेन को बुधवार को चाइना ओपन में 6-2, 6-2 से हराकर खिताब जीता और शंघाई मास्टर्स टेनिस की अपनी तैयारी पुख्ता की। सिनेर ने इससे पहले एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर हार्डकोर्ट पर लगातार नौवे फाइनल में प्रवेश किया था। उन्नीस वर्ष के टियेन ने पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जब दानिल मेदवेदेव चोट के कारण रिटायर हो गए थे। उस समय स्कोर 5-7, 7-5, 4-0 था।

विदर्भ ने शेष भारत के खिलाफ 280 रन बनाए

नागपुर : सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे के नाबाद शतक से विदर्भ ने ईरानी कप मैच के पहले दिन बुधवार को यहां शेष भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 280 रन बनाए। ताइडे ने 240 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से नाबाद 118 रन बनाए। यश राठौड़ ने भी 153 गेंद में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए उस समय 184 रन की साझेदारी की जब टीम 80 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। रणजी ट्रॉफी चैंपियन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 40 रन बनाए लेकिन इसके बाद जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए।

दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन का समापन

नई दिल्ली : दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन चैम्पियनशिप 2025 का समापन नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक हुआ, इस चैम्पियनशिप ने देश की राजधानी में प्रतिस्पर्धी गेमिंग के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। दिल्ली-एनसीआर से रिकॉर्ड 4250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर इसे गेमिंग बिल पास होने के बाद, पहले राज्य-उन्मुख ई-स्पोर्ट टूर्नामेन्ट्स में से एक बना दिया है। चैम्पियनशिप का आयोजन एक नेशनल ईस्पोर्ट्स संगठन द्वारा 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की उपस्थिति के साथ फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया किया गया।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई से उम्मीदें

फोर्डे (नॉर्वे) : वापसी की कोशिश में जुटीं पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता मीराबाई देश की एकमात्र पदक दावेदार हैं।

भारत ए ने रनों की बारिश कर आस्ट्रेलिया ए को रौंदा

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते के कप्तान श्रेयस अय्यर।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कप्तान श्रेयस अय्यर व प्रियांश आर्य ने जड़े शतक, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त
- भारत ए ने पहले बैटिंग करते 50 ओवर में 6 विकेट पर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत ए व ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाला पहला वनडे मैच मंगलवार को बारिश के कारण रद हुआ और बुधवार को खेला गया। दूसरे दिन हुए मैच में चौकों-छक्कों की बारिश हुई और भारत ए टीम ने माहौल रोमांचक बना दिया।

भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में आस्ट्रेलिया ए की टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर लौट गई। भारत ए 171 रन के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम पर सलामी बल्लेबाजों ने दबाव बनाया। प्रियांश और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी कर मेहमान गेंदबाजों को मैदान पर दौड़ाया। प्रभसिमरन 59 रन बनाकर आउट हुए, जबकि प्रियांश ने 101 रन की शतकीय पारी खेली और 11 चौके व 5 छक्के जड़े। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़े। पराग ने 66 रन बनाए जबकि अय्यर ने 75 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के जड़े। अंत में आयुष बडोनी ने केवल 26 गेंदों पर ताबड़तोड़ 50 रन ठोकते हुए टीम का स्कोर 400 के पार पहुंचा दिया। भारत ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 413 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के लिए विल सदरलैंड ने दो विकेट लिए, लेकिन वह काफी महंगे साबित हुए और 73 रन खर्च किए। टॉम स्ट्रेकर, टॉड मर्फी और लियाम स्कॉट को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम ने भी शुरू में तेजी से रन बटोरे। जैक फ्रेजर ने 23 रन बनाए, लेकिन युद्धवीर सिंह ने उन्हें आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कूपर कॉनोली ने 33 रन और मैकेंजी हार्वे ने 68 रन बनाए, जिसमें 7 चौके, 2 छक्के शामिल रहे।

इसके बाद 181 रन के योग पर एक एक करके चार विकेट गंवा दिए। चौथे विकेट के रूप में लचलन शॉ 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लियम स्कॉट, हैरी डिक्शन और सैम इलियट जल्द ही पवेलियन लौटे।

टॉड मर्फी 204 रन के स्कोर पर आउट हुए और 236 पर तनवीर सांघा का भी विकेट गिर गया। आखिर में विल सदरलैंड ने अर्धशतक जमाया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। पूरी आस्ट्रेलियाई टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों में निशांत सिंधु सबसे घातक साबित हुए। उन्होंने 4 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी। रवि बिश्नोई ने 2 विकेट लिए जबकि युद्धवीर सिंह, सिमरजीत सिंह, गुर्जनपीत और आयुष बडोनी को 1-1 सफलता मिली। भारत ए ने यह मुकाबला 171 रन से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते प्रियांश आर्य। अमृत विचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मिलेंगे अंक

अहमदाबाद, एजेंसी

विवादों से घिरा एशिया कप जीतने के बाद भले ही लंबा ब्रेक नहीं मिल सका हो, लेकिन शुभमन गिल की टीम का पलड़ा खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से हरी भरी पिच पर शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारी रहेगा।

कप्तान गिल समेत भारतीय टीम के अधिकांश सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर दुबई से यहां पहुंच गए हैं और लाल गेंद के प्रारूप में खेलने की तैयारी में जुट गए हैं। इस सीरीज की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी मिलने हैं। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गिल की टीम तीसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड एक अंक पीछे है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शृंखला समेत भारत को चार घरेलू टेस्ट खेलने हैं जिनसे अधिक से अधिक अंक लेने की कोशिश होगी। अहमदाबाद में इस बार खेलने की परिस्थितियां अलग है और पिच हरी भरी दिख रही है। मौसम उमस भरा है और टेस्ट मैच के दौरान थोड़ी बहुत बारिश की भी संभावना है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज टीम 2025 . 27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच मुकाबले से ज्यादा रूचि यह जानने में है कि भारत की अंतिम एकादश क्या होगी। पहले टेस्ट में पिच पर घास होने से भारतीय टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है। पिछले सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचें बनाने से भारत को नुकसान हुआ था। अक्टूबर 2024 में भारत में आखिरी टेस्ट खेलने के बाद से टीम में बहुत कुछ बदला है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज पारंपरिक प्रारूप से विदा ले चुके हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी अब टीम में नहीं हैं। भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ईकाई संतुलित है और यह देखना होगा कि देवदत्त पडिक्कल के रूप में अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारा जाता है या तेज गेंदबाजी हरफनमौला नितीश रेड्डी को मौका मिलता है। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे लेकिन भारत वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को भी मौका दे सकता है। वॉशिंगटन ने हैंपशर के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने के बाद यहां पहुंचकर टीम के साथ अभ्यास किया। करुण नायर तीसरे नंबर की जगह लेने में नाकाम रहे और अब बी साई सुदर्शन का उस क्रम पर खेलना तय है।

भारत के कप्तान शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान। एजेंसी

समय : पूर्वाह्न 9:30 से

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज : रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिच चाहते हैं हम : गिल

अहमदाबाद : भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है चूंकि पिच पर घास जमी है और मौसम भी उमस भरा है। गिल ने कहा मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो। उन्होंने कहा भारत आने वाली किसी भी टीम के लिए चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे। उन्होंने कहा आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जायेगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे। गिल ने कहा कि भारतीय टीम अपनी धरती पर दमदार क्रिकेट खेलना चाहेगी। उन्होंने कहा हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 89 रनों से हराया

इंदौर : अनुभवी हरफनमौला एशले गार्डनर (115 रन) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के अपने शुरुआती मुकाबले में बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को 89 रन से शिकस्त दी।

गार्डनर के दूसरे वनडे शतक से ऑस्ट्रेलियाई टीम टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद शुरुआती झटकों से उबरने में सफल रही और 49.3 ओवर में 326 रन का विशाल स्कोर खड़ा करके आउट हो गई। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम कप्तान सोफी डेविने (111 रन, 112 गेंद) की पारी के बावजूद 43.2 ओवर में 237 रन पर सिमट गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज अनाबेल सदरलैंड (26 रन देकर तीन विकेट) तथा अलाना किंग (44 रन देकर दो विकेट) और सोफी मोलिनू (25 रन देकर तीन विकेट) की स्पिन जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने दूसरे ओवर में बिना रन जुटाए अपनी दोनों सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर के विकेट गंवा दिए थे।

भारत मुझसे ट्रॉफी ले सकता है : नकवी

दुबई, एजेंसी

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक बार फिर से कहा है कि भारतीय टीम कार्यालय आकर मुझे ट्रॉफी ले सकती है।

नकवी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा एसीसी के प्रेसीडेंट के तौर पर मैं उसी दिन भारतीय टीम को ट्रॉफी देने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर आप सच में वह ट्रॉफी लेने चाहते हैं तो एसीसी के ऑफिस में आइए और मुझसे ट्रॉफी ग्रहण कीजिए।

नकवी का यह बयान मंगलवार को दुबई में हुई ताजा एससीस बैठक के बाद आया है, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसी) की ओर से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने इस बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया। ट्रॉफी कब मिलेगी यह अभी साफ नहीं है।

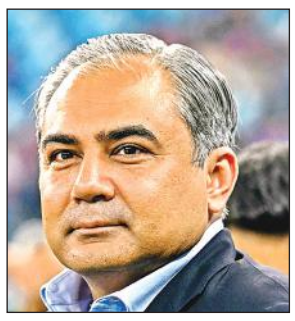

भारत विरोधी रुख जगजाहिर है नकवी का

एसीसी के अध्यक्ष होने के साथ मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। उनका भारत विरोधी राजनीतिक रुख जगजाहिर है। नकवी का कहना है- मैं यह साफ कर देना चाहता हूं, मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा। आशीष शेलार और राजीव शुक्ला ने एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व किया था जहां उन्होंने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को ट्रॉफी नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

तेजी से उभरते हुए भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इतिहास के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की जबकि वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब हालांकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। हाल में यहां संपन्न एशिया कप में भारत की खिताबी जीत के बाद अभिषेक ने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ 931 अंक के साथ लगभग पांच साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा।

आईसीसी ने बताया कि 25 साल के अभिषेक ने 2020 में बनाए इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान के 919 रेटिंग अंक के रिकॉर्ड को तोड़ा। एशिया कप के दौरान 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने अभिषेक ने टीम के अपने साथियों सूर्यकुमार यादव (912) और विराट कोहली (909) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक को भी पीछे छोड़ा। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले अभिषेक ने एशिया कप के सात मैच में 44.85 के औसत से 314 रन बनाए। अभिषेक दूसरे स्थान पर चल रहे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 82 रेटिंग अंक आगे हैं।

डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली, एजेंसी : इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं।

गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

ELISTA IS PROUD TO ANNOUNCE THE GST BENEFITS

elista

Smart Cooling, Comfortable Living!

LED 43 14990/-
UHD 55- 28900/-
UHD 65- 39990/-
UHD 75- 59990/-

32" - 7990/-

22nd Sept. Onwards
Grab the deals before stock lasts....

Make in India Now in 17+ Countries

Big TV's with Bigger GST Rebate...

Double Diwali Bonus

ERA® RADIOS

• Civil Lines, Ayub Khan Crossing, Bareilly • DD Puram Stadium Road, Bareilly

Mob : 8475009751, 8475009727, 8475009759

गंगाशील स्कूल ऑफ नर्सिंग

समस्त पाठ्यक्रम भारतीय उपचर्या परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त तथा उ0प्र0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ से सम्बद्ध है। यू0जी0सी0 अधिनियम 19562 (एफ)-12 (बी) से मान्यता प्राप्त

कैम्पस : मनपुरिया जानकी प्रसाद, बीसलपुर रोड, बरेली मो. 9359064697, 9359723945

(सिटी ऑफिसः ए-3, रामपुर गार्डन, गांधी उद्यान के सामने, बरेली)

Website:www.gangasheelschoolofnursing.com | E-mail: principalgssn@gmail.com

• अनुभवी टीचिंग स्टाफ, हॉस्टल / मैस की बेहतरीन सुविधा, 24 घंटे बिजली एवं पानी की सुविधा

• अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, कम्पयूटर लैब, आधुनिक ढंग से तैयार लाइब्रेरी, क्रीड़ा/खेलकूद योगा तथा ट्रांसपोर्ट की सुविधा

• क्लीनिकल ड्यूटी हेतु बरेली में अपने अस्पताल (श्री गंगाचरण आर्यवर्धन अस्पताल, गंगाशील अस्पताल, शील मैटरनिटी नर्सिंग होम)

कॉलेज में संचालित पाठ्यक्रम

1. एम.एस.-सी. नर्सिंग
2. बी.एस.-सी. नर्सिंग
3. पोस्ट बेसिक बी.एस.-सी. नर्सिंग
4. डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी (जी.एन.एम.)
5. महिला हेल्थ वर्कर (ए.एन.एम.)
6. डिप्लोमा इन फिजियोथैरेपी
7. डिप्लोमा इन ऑपरेशन थियेटर टैक्नीशियन
8. डिप्लोमा इन कार्डियोलॉजी टैक्नीशियन